**सेबी**

**बुलेटिन**

**SEBI**

**BULLETIN**

फरवरी **2023** खण्ड **22** अंक **02**

**February 2023 VOL. 22 NUMBER 02**

**भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड**

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA**

|  |  |
| --- | --- |
| संपादकीय समिति  श्री प्रभास रथ  सुश्री संगीता राठोड  सुश्री दीप्ति एल. एस.  डॉ. दीपाली दीक्षित  श्री जितेन्द्र कुमार | **EDITORIAL COMMITTEE**  **Shri Prabhas Rath**  **Ms. Sangeeta Rathod**  **Ms. Deepthi L S**  **Dr. Deepali Dixit**  **Shri Jitendra Kumar** |

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के मासिक बुलेटिन का प्रकाशन सेबी के आर्थिक एवं नीति विश्लेषण विभाग द्वारा संपादकीय समिति के निदेशानुसार किया जाता है । इस बुलेटिन में प्रकाशित किए गए लेखों या व्यक्तव्यों में दिए गए आँकड़ों की सटीकता या दी गई जानकारी की सटीकता या दी गई किसी राय के लिए लेखक ही जिम्मेदार होंगे, न कि सेबी । यदि इस बुलेटिन में प्रकाशित की गई सामग्री को कहीं और प्रकाशित किया जाता है या उसका कहीं और इस्तेमाल किया जाता है, तो सेबी को इसमें कोई आपत्ति नहीं है, बशर्तें कि यह उल्लेख करना होगा कि यह सामग्री सेबी बुलेटिन से ली गई है ।

सेबी बुलेटिन की सॉफ्ट कॉपी पीडीएफ, वर्ड और एक्सेल फॉर्मेट में सेबी के वेबसाइट (<https://www.sebi.gov.in/reports-and-statistics.html>) से नि:शुल्क डाउनलोड की जा सकती है, जो इस वेबसाइट पर इन शीर्षकों के तहत दी हुई है: प्रकाशन > रिपोर्टें और सांख्यिकी

यदि इस बुलेटिन में प्रकाशित की गई सामग्री के संबंध में आपकी कोई टिप्पणी है या आप कोई सुझाव देना चाहते हैं, तो आप अपनी टिप्पणी इस इमेल आईडी पर भेज सकते हैं: [bulletin@sebi.gov.in](mailto:bulletin@sebi.gov.in)

The SEBI Monthly Bulletin is issued by the Department of Economic and Policy Analysis, Securities and Exchange Board of India under the direction of the Editorial Committee. SEBI is not responsible for accuracy of data/information/interpretations and opinions expressed in the case of signed articles/speeches as authors are responsible for their personal views. SEBI has no objection to the material published herein being reproduced, provided an acknowledgement of the same is made.

The soft copy of SEBI Bulletin in PDF, Word and Excel formats can be freely downloaded from the publications link under Reports and Statistics section in SEBI website (<https://www.sebi.gov.in/reports-and-statistics.html>).

Any comments and suggestions on any of the features/sections may be sent to the email id: [bulletin@sebi.gov.in](mailto:bulletin@sebi.gov.in)

**विषय-सूची**

**CONTENTS**

पूँजी बाजार - एक समीक्षा

CAPITAL MARKET REVIEW

वैश्विक वित्तीय बाजारों की समीक्षा

REVIEW OF GLOBAL FINANCIAL MARKETS

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभूति बाजार सिक्यूरिटीज़)में हुई मुख्य-मुख्य गतिविधियाँ

HIGHLIGHTS OF DEVELOPMENTS IN INTERNATIONAL SECURITIES MARKET

भारतीय प्रतिभूति बाजार के संबंध में उठाए गए नीतिगत कदम

POLICY DEVELOPMENTS IN INDIAN SECURITIES MARKET

वर्तमान आँकड़े

CURRENT STATISTICS

हाल ही में प्रकाशित सामग्री

LATEST PUBLICATIONS

पूँजी बाजार - एक समीक्षा

**CAPITAL MARKET REVIEW**

|  |  |
| --- | --- |
| 1. कंपनियों द्वारा जुटाया गया पैसा :  * **जनवरी 2023 के दौरान, इक्विटी निर्गमों (इश्यू) के जरिए 1,951 करोड़ रुपये की रकम जुटाई गई, जबकि दिसम्बर 2022 के दौरान 15**,340 **करोड़ रुपये की रकम जुटाई गई थी ।** * **जनवरी 2023 में, 12 आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) लाए गए, जिनके जरिए कुल 478 करोड़ रुपये की रकम जुटाई गई । इन कुल आईपीओ में से, 10 निर्गम (इश्यू) एसएमई / शुरूआती कंपनियों (स्टार्टअप) द्वारा लाए गए थे, जिनके जरिए 155 करोड़ रुपये की रकम जुटाई गई (सारणी 1) ।** * **644 करोड़ रुपये की रकम तो 9 साधिकार निर्गमों (राइट्स इश्यू) के जरिए जुटाई गई ।** * **जनवरी 2023 के दौरान, अधिमानी आबंटन** (**प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट) के जरिए 829 करोड़ रुपये की रकम जुटाई गई, जबकि दिसम्बर 2022 में 6508 करोड़ रुपये की रकम जुटाई गई थी । जनवरी 202**3 **के दौरान, क्यूआईपी से कोई रकम नहीं जुटाई गई ।** * **जनवरी 2023 के दौरान, ऋण** (**डैट) के सार्वजनिक निर्गम (पब्लिक इश्यू) के जरिए 1,863 करोड़ रुपये की रकम जुटाई गई, जबकि दिसम्बर 2022 के दौरान 249 करोड़ रुपये की रकम जुटाई गई थी । जनवरी 2023 के दौरान, ऋण (डैट) के प्राइवेट प्ले**समें**ट के जरिए 65,666 करोड़ रुपये की रकम जुटाई गई, जबकि दिसम्बर 2022 के दौरान 1,36,717 करोड़ रुपये की रकम जुटाई गई थी ।** | 1. **Trends in Resource Mobilisation by Corporates**  * Resource mobilised through equity issuances was ₹ 1951 crore during January 2023, compared to ₹ 15,340 crore during December 2022. * There were 12 IPOs in January 2023, through which a total of ₹ 478 crore was mobilized. Of the total IPOs, 10 issues were SME/start-up listings which mobilised ₹ 155 crore (Table 1) * Funds amounting to ₹644 crore were raised through 9 rights issues. * Amount raised through preferential allotment during January 2023 was ₹ 829 crore, compared to ₹ 6508 crore raised in December 2022. There were no QIPs during January 2023. * ₹ 1863 crore was mobilised through public issue of debt during January 2023, compared to the ₹249 crore raised during December 2022. Private placement of debt raised ₹ 65,666 crore during January 2023, compared to ₹1,36,717 crore during December 2022. |

सारणी 1: कंपनियों द्वारा जुटाया गया पैसा (₹ करोड़ में)

**Table 1: Fund Mobilisation by Corporates (₹ crore)**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **विवरण / Particulars** | **दिसम्बर / Dec - 22** | जनवरी **/ Jan - 23** |
| ***I. इक्विटी निर्गम (इश्यू)***  ***Equity Issues*** | **15,340** | **1,951** |
| क. आईपीओ  a. IPOs (i+ii) | 5,119 | 478 |
| *i. मुख्य-बोर्ड*  *Main Board* | 4920 | 323 |
| *ii. एसएमई प्लेटफॉर्म*  *SME Platform* | 200 | 155 |
| ख. एफपीओ  b. FPOs | 0 | 0 |
| ग. इक्विटी साधिकार निर्गम (राइट्स इश्यू)  c. Equity Rights Issues | 116 | 644 |
| घ. क्यूआईपी / आईपीपी  d. QIPs / IPPs | 3597 | 0 |
| ङ. अधिमानी आबंटन (प्रेफ्रेंशियल अलॉटमेंट)  e. Preferential Allotments | 6,508 | 829 |
| ***II. ऋण निर्गम (डैट इश्यू)***  ***Debt Issues*** | **1,36,966** | **67,529** |
| क. ऋण सार्वजनिक निर्गम (डैट पब्लिक इश्यू)  a. Debt Public Issues | 249 | 1,863 |
| ख. ऋण (डैट) का प्राइवेट प्लेसमेंट  b. Private Placement of Debt | 1,36,717 | 65,666 |
| **जुटाया गया कुल पैसा**  **Total Funds Mobilised (I+II)** | **1,52,306** | **69,480** |

**स्रोत: सेबी, बीएसई, एनएसई और एमएसईआई**

**Source:** SEBI, BSE, NSE and MSEI

|  |  |
| --- | --- |
| 1. **द्वितीयक** बाजार **(सेकेंडरी मार्केट) के रुख**  * **जनवरी 2023** के दौरान, निफ्टी और सेंसेक्स में पिछले महीने की तुलना में क्रमशः 2.4 प्रतिशत और 2.1 प्रतिशत तक की गिरावट आई । इसके साथ-साथ, **दिसम्बर 2022** के आँकड़ों की तुलना में, बीएसई और एनएसई के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैपिटलाइजेशन) में भी 4.3 प्रतिशत की गिरावट आई । **जनवरी 2023** के अंत तक की स्थिति के अनुसार, एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 का पी/ई अनुपात क्रमशः 23.3 और 21.5 रहा । | 1. **Trends in the Secondary Market**  * During January 2023, Nifty and Sensex fell by 2.4 per cent and 2.1 per cent respectively over the previous month. Reflecting the downtrend, market capitalization at both, BSE and NSE recorded a fall of 4.3 per cent, over the end of December 2022. The average P/E ratios of S&P BSE Sensex and Nifty 50 were 23.3 and 21.5 respectively, for the month of January 2023. |

सारणी 2: भारत का पूँजी बाजार – एक नज़र में

**Table 2: Snapshot of the Indian Capital Market**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **विवरण**  **Description** | **दिसम्बर / Dec-22** | **जनवरी / Jan - 23** | **माह-दर-माह परिवर्तन (% में)**  **M-o-M variation (%)** |
| **इक्विटी बाजार सूचकांक / Equity Market indices** | | | |
| निफ्टी 50 / Nifty 50 | 18,105 | 17,662 | -2.4 |
| सेंसेक्स / Sensex | 60,841 | 59,550 | -2.1 |
| निफ्टी मिडकैप 50 / Nifty Midcap 50 | 8,752 | 8,638 | -1.3 |
| निफ्टी स्मॉलकैप 100 / Nifty Smallcap 100 | 9,731 | 9,502 | -2.4 |
| बीएसई मिडकैप / BSE Midcap | 25,315 | 24,643 | -2.7 |
| बीएसई स्मॉलकैप / BSE Smallcap | 28,927 | 28,206 | -2.5 |
| **बाजार पूँजीकरण / Market Capitalisation (₹ करोड़ में / ₹ crore)** | | | |
| बीएसई / BSE | 2,82,38,248 | 2,70,23,160 | -4.3 |
| एनएसई / NSE | 2,80,19,281 | 2,68,02,351 | -4.3 |
| **पी/ई अनुपात (मासिक औसत)**  **P/E Ratio (monthly average)** | | | |
| सेंसेक्स / Sensex | 23.6 | 23.3 | -1.4 |
| निफ्टी 50 / Nifty 50 | 22.1 | 21.5 | -2.9 |
| **सूचीबद्ध कंपनियों की संख्या**  **No of Listed Companies** | | | |
| बीएसई / BSE | 5,428 | 5,444 | 0.3 |
| एनएसई / NSE | 2,168 | 2,179 | 0.5 |
| **इक्विटी खंड (सेगमेंट) में सकल व्यापारावर्त (टर्नओवर) (₹ करोड़ में)**  **Gross Turnover in Equity Segment (₹ crore)** | | | |
| बीएसई / BSE | 86,789 | 68,103 | -21.5 |
| एनएसई / NSE | 11,60,846 | 10,20,626 | -12.1 |
| **इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट में सकल व्यापारावर्त (टर्नओवर) (₹ करोड़ में)**  **Gross Turnover in Equity Derivatives Segment (₹ crore)** | | | |
| बीएसई / BSE | 40,88,415 | 1,99,741 | -95.1 |
| एनएसई / NSE | 41,77,05,280 | 42,45,23,059 | 1.6 |
| **करेंसी डेरिवेटिव सेगमेंट में सकल व्यापारावर्त (टर्नओवर) (₹ करोड़ में)**  **Gross Turnover in Currency Derivatives Segment (₹ crore)** | | | |
| बीएसई / BSE | 4,64,895 | 5,25,803 | 13.1 |
| एनएसई / NSE | 35,66,289 | 41,05,930 | 15.1 |
| एमएसईआई / MSEI | 33,450 | 24,043 | -28.1 |
| **इंटरेस्ट रेट (ब्याज दर) डेरिवेटिव सेगमेंट में सकल व्यापारावर्त (₹ करोड़ में)**  **Gross Turnover in Interest Rate Derivatives Segment (₹ crore)** | | | |
| बीएसई / BSE | 1,868 | 1,225 | -34.4 |
| एनएसई / NSE | 2,392 | 2,033 | -15.0 |

स्रोत: **बीएसई, एनएसई और एमएसईआई**

**Source:** BSE, NSE and MSEI

**आकृति 1 : एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 में हुए उतार-चढ़ाव**

**Figure 1: Movement of S&P BSE Sensex and Nifty 50**

**स्रोत: बीएसई और एनएसई**

**Source:** BSE and NSE

|  |  |
| --- | --- |
| * **जनवरी 2023 के दौरान, एक्सचेंजों** में ट्रेडिंग में गिरावट आई, और पिछले महीने की तुलना में इक्विटी नकदी खंड (कैश सेगमेंट) के औसत दैनिक व्यापारावर्त (टर्नओवर) में 8.6 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज हुई । **जनवरी 2023** के दौरान, एक्सचेंजों के नकदी खंड (कैश सेगमेंट) के सकल व्यापारावर्त (टर्नओवर) में 12.7 प्रतिशत की खासी गिरावट देखी गई । | * During January 2023, trading activity has fallen at exchanges with average daily turnover at equity cash segment down by 8.6 per cent over the previous month. Gross turnover in the cash segment at exchanges decreased significantly by 12.7 per cent in January 2023**.** |

**आकृति 2 : एक्सचेंजों के इक्विटी नकदी खंड (कैश सेगमेंट) में औसत दैनिक व्यापारावर्त (टर्नओवर) के रुख (₹ करोड़ में)**

**Figure 2: Trends in Average Daily Turnover at Equity Cash Segment of Exchanges (₹ crore)**

**स्रोत: बीएसई और एनएसई**

**Source:** BSE and NSE

|  |  |
| --- | --- |
| * **जनवरी 2023 के दौरान, क्षेत्रों (सेक्टर) के सूचकांकों में से ज्यादातर सूचकांकों में गिरावट देखने को मिली, जबकि बीएसई ऑटो में (**5.3 **प्रतिशत) और निफ्टी आईटी में (3.**91 **प्रतिशत) बढ़ोतरी देखने को मिली । बीएसई पावर में सबसे ज्यादा गिरावट हुई (-**10**.8 प्रतिशत), और उसके बाद बीएसई ऑइल (-**9.3 **प्रतिशत), निफ्टी आईटी (-**3.**9**1**) और निफ्टी एनर्जी (-**8.3**4 प्रतिशत) और पीऐसयू (**-7.2 **प्रतिशत) का स्थान रहा । जनवरी 2023 के दौरान, इन चुनिंदा सूचकांकों के औसत दैनिक उतार-चढ़ाव और एक महीने के दौरान हुई घट-बढ़ आकृति 3 में दर्शाई गई है ।** | * Among the selected sectoral indices, during January 2023, only two indices showed notable positive returns, viz., BSE Auto (at 5.3 per cent) and Nifty IT (at 3.91 per cent). Volatility of these indices were low compared to other indices. BSE Power (at -10.8 per cent) had lowest returns followed by BSE Oil (at -9.3 per cent), Nifty Energy (at -8.34 per cent) and PSU (at -7.2 per cent). The average daily volatility and monthly returns of these select indices for January 2023 are illustrated in Figure 3. |

आकृति 3 : जनवर 2023 के दौरान बीएसई और एनएसई के क्षेत्रों (सेक्टर) के सूचकांकों (इंडेक्स) के रुख (प्रतिशत में**)**

**Figure 3: Trends of BSE and NSE Sectoral Indices during January 2023 (percent)**

**स्रोत: रिफिनिटिव**

**Source:** Refinitiv

|  |  |
| --- | --- |
| **III.** निक्षेपागारों (डिपॉजिटरी) के यहाँ खोले गए खातों के रुख   * **जनवरी 2023 में, एनएसडीएल में 4 लाख और डीमैट खाते खोले गए, जबकि सीडीएसएल में 16 लाख और डीमैट खाते खोले गए । जनवरी 2023 के अंत तक की स्थिति के अनुसार, एनएसडीएल में 3.08 करोड़ डीमैट खाते थे और सीडीएसएल में 7.97 करोड़ ।** | **III. Trends in Depository Accounts**   * NSDL added 4 lakh demat accounts while CDSL added 18 lakh demat accounts in January 2023. At the end of January 2023, 3.08 crore demat accounts were registered with NSDL and 7.97 crore with CDSL. |

आकृति 4 : खुलवाए गए नए डीमैट खाते (महीने के अनुसार) [लाख में]

**Figure 4: Monthly New Demat Accounts Added (in lakh)**

**स्रोत: एनएसडीएल, सीडीएसएल**

**Source:** NSDL, CDSL

|  |  |
| --- | --- |
| **IV. डेरिवेटिव्ज़ सेगमेंट के रुख**   1. **इक्विटी डेरिवेटिव**   **बीएसई**  **जनवरी 202**3 के दौरान, बीएसई के इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट का आनुमानिक व्यापारावर्त (नोशनल टर्नओवर) 95.1 प्रतिशत तक घटकर 40.88 लाख करोड़ से 2 लाख करोड़ रुपये रह गया ।  **एनएसई**  **जनवरी 202**3 के दौरान, एनएसई के इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट का मासिक आनुमानिक व्यापारावर्त (नोशनल टर्नओवर) 1.6 प्रतिशत तक बढ़कर 4,245 लाख करोड़ रुपये हो गया । | 1. **Trends in Derivatives Segment** 2. **Equity Derivatives**   **BSE**  During December 2022, the notional turnover of the equity derivatives segment at BSE declined by 6 per cent to ₹40.88 lakh crore.  **NSE**  The monthly notional turnover in the equity derivatives segment at NSE rose by 36.7 per cent to ₹4,177 lakh crore during December 2022. |

**आकृति 5 : बीएसई और एनएसई में औसत दैनिक आनुमानिक व्यापारावर्त (टर्नओवर) के रुख (₹ करोड़ में)**

**Figure 5: Trends of Average Daily Notional Turnover at BSE and NSE (₹ crore)**

**Note:** ADNT implies Average Daily Notional Turnover

**स्रोत: बीएसई और एनएसई**

**Source:** BSE and NSE

सारणी 3: इक्विटी डेरिवेटिव बाजार के रुख

**Table 3: Trends in Equity Derivatives Market**

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **विवरण /**  **Description** | **एनएसई / NSE** | | | **बीएसई / BSE** | | |
| **दिसम्बर /**  **Dec-22** | **जनवरी / Jan-23** | **एक महीने में बदलाव (प्रतिशत में) / Percentage Change Over Month** | **दिसम्बर /**  **Dec-22** | **जनवरी / Jan-23** | **एक महीने में बदलाव (प्रतिशत में) / Percentage Change Over Month** |
| **क. व्यापारावर्त (₹ करोड़ में)**  **A. Turnover (₹crore)** | | | | | | |
| **(i) इंडेक्स फ्यूचर्स Index Futures** | 7,52,722 | 7,90,757 | 5.1 | 6 | 5 | -25.1 |
| **(ii) इंडेक्स पर ऑप्शन्स**  **Options on Index** |  |  |  |  |  |  |
| ***पुट***  ***Put*** | 20,04,04,675 | 20,24,46,725 | 1.0 | 12,71,195 | 19,094 | -98.5 |
| ***कॉल***  ***Call*** | 20,95,97,158 | 21,48,24,310 | 2.5 | 28,17,213 | 1,80,642 | -93.6 |
| **(iii) स्टॉक फ्यूचर्स Stock Futures** | 15,41,567 | 15,94,094 | 3.4 | 0 | 0 | - |
| **(iv) स्टॉक पर ऑप्शन्स**  **Options on Stock** |  |  |  |  |  |  |
| ***पुट***  ***Put*** | 17,05,071 | 16,03,849 | -5.9 | 0 | 0 | - |
| ***कॉल***  ***Call*** | 37,04,087 | 32,63,323 | -11.9 | 0 | 0 | - |
| **कुल / Total** | **41,77,05,280** | **42,45,23,059** | **1.6** | **40,88,415** | **1,99,741** | **-95.1** |
| **ख. कॉण्ट्रैक्ट की संख्या**  **B. No. of Contracts** | | | | | | |
| **(i) इंडेक्स फ्यूचर्स Index Futures** | 76,30,570 | 81,55,396 | 6.9 | 67 | 51 | -23.9 |
| **(ii) इंडेक्स पर ऑप्शन्स**  **Options on Index** |  |  |  |  |  |  |
| ***पुट***  ***Put*** | 2,04,52,43,178 | 2,14,24,80,179 | 4.8 | 1,40,35,560 | 2,09,626 | -98.5 |
| ***कॉल***  ***Call*** | 2,10,27,92,733 | 2,23,18,92,337 | 6.1 | 2,75,35,943 | 17,69,526 | -93.6 |
| **(iii) स्टॉक फ्यूचर्स Stock Futures** | 2,21,01,213 | 2,30,04,032 | 4.1 | 0 | 0 | - |
| **(iv) स्टॉक पर ऑप्शन्स**  **Options on Stock** |  |  |  |  |  |  |
| ***पुट***  ***Put*** | 2,42,30,612 | 2,30,60,962 | -4.8 | 0 | 0 | - |
| ***कॉल***  ***Call*** | 4,97,89,824 | 4,40,67,890 | -11.5 | 0 | 0 | - |
| **कुल / Total** | **4,25,17,88,130** | **4,47,26,60,796** | **5.2** | **4,15,71,570** | **19,79,203** | **-95.2** |

स्रोत: **बीएसई और एनएसई**

**Source:** BSE and NSE

|  |  |
| --- | --- |
| 1. **करेंसी (मुद्रा) डेरिवेटिव**  * **जनवरी 202**3 **के दौरान, भारत में करेंसी डेरिवेटिव का मासिक आनुमानिक व्यापारावर्त (नोशनल टर्नओवर)** **[एनएसई, बीएसई और एमएसईआई का मिलाकर]** 14.5 **प्रतिशत तक** बढ़कर46.6 **लाख करोड़ रुपये रह गया, जबकि दिसम्बर** 2022 **में यह** 40.6 **लाख करोड़ रुपये था।** | 1. **Currency Derivatives**  * The monthly notional turnover of currency derivatives in India (NSE, BSE, and MSEI together) rose by 14.5 percent to ₹46.6 lakh crore in January 2023 as compared to ₹40.6 lakh crore in December 2022. |

आकृति 6: एनएसई, एमएसईआई और बीएसई में करेंसी (मुद्रा) डेरिवेटिव के रुख (₹ करोड़ में)

**Figure 6: Trends of Currency Derivatives at NSE, MSEI, and BSE (₹ crore)**

**स्रोत: बीएसई, एनएसई और एमएसईआई**

**Source:** BSE, NSE and MSEI

|  |  |
| --- | --- |
| 1. इंटरेस्ट रेट (ब्याज दर) डेरिवेटिव  * **जनवरी 202**3 **में, बीएसई के इंटरेस्ट रेट** डेरिवेटिव सेगमेंट **में, मासिक आनुमानिक व्यापारावर्त (नोशनल टर्नओवर) बढ़कर 1,**225 **करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले महीने यह 1,868 करोड़ रुपये था । इसी अवधि के दौरान, एनएसई में यह 2,392 करोड़ रुपये से** घटकर **2,**03**3 करोड़ रुपये हो गया ।** | 1. **Interest Rate Derivatives**  * In the interest rate derivatives segment at BSE, the monthly notional turnover fell to ₹1,225 crore in January, 2023 from ₹1,868 crore in the previous month. At NSE it fell to ₹2,033 crore from ₹2,392 crore during the same period. |

**आकृति 7 : एनएसई और बीएसई के इंटरेस्ट रेट (ब्याज दर) डेरिवेटिव के रुख (₹ करोड़ में)**

**Figure 7: Trends of Interest Rate Derivatives at NSE and BSE (₹ crore)**

**स्रोत: बीएसई और एनएसई**

**Source:** BSE and NSE

|  |  |
| --- | --- |
| 1. कंपनी ऋण बाजार (कारपोरेट डैट मार्केट)  * **जनवरी 202**3 **के दौरान, एक्सचेंजों में 1**3,47**4 कंपनी (कारपोरेट) बॉण्ड खंडों का निपटान (सेटलमेंट) किया गया, जिनका मूल्य** 49,682 **करोड़ रुपये का था । इनमें सूचीबद्ध (लिस्टिड) और असूचीगत (अनलिस्टिड)** **कंपनी (कारपोरेट) बॉण्ड दोनों के ओटीसी ट्रेड और आरएफक्यू ट्रेड शामिल हैं ।** | 1. **Corporate Debt Market**  * During January 2023, 13,474 trades with value of ₹49,682 crore were settled across the corporate bond segments at exchanges. This includes OTC trades and RFQ trades of both listed and unlisted corporate bonds. |

**आकृति 8 : कारपोरेट बॉण्ड के सूचित किए गए व्यापारावर्त (टर्नओवर) के रुख (₹ करोड़ में)**

**Figure 8: Trends in Reported Turnover of Corporate Bonds (₹ crore)**

***टिप्पणी: केवल एक्सचेंज के प्लेटफॉर्म के जरिए निपटाए (सेटल किए) गए ट्रेड के आँकड़े शामिल किए गए हैं***

***Note: Data Includes only settled trades through the exchange platform***

|  |  |
| --- | --- |
| **V.** **विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा किए गए निवेश के रुख**   * **जनवरी 202**3 में, एफपीआई ने कुल मिलाकर बिक्री की, और कुल 26,544 करोड़ रुपये का विनिवेश किया । इक्विटी, डेट वीआरआर और हाइब्रिड सेगमेंट में शुद्ध बहिर्वाह क्रमशः 28,852 करोड़ रुपये, 1076 करोड़ रुपये और 146 करोड़ रुपये देखा गया, जबकि डेट सेगमेंट में 3531 करोड़ रुपये का शुद्ध प्रवाह देखा गया। * इक्विटी सेगमेंट के भीतर, प्राथमिक बाजार के माध्यम से ₹ ​​191.30 करोड़ का प्रवाह देखा गया, जबकि द्वितीयक बाजार से ₹ ​​29,043 करोड़ की राशि का बहिर्वाह देखा गया। * **जनवरी 202**3 के अंत तक भारत में एफपीआई की एयूसी ₹50,13,735 करोड़ की रहीं, जिसमें से ऑफशोर डेरिवेटिव इंस्ट्रूमेंट (ओडीआई) [डेरिवेटिव पर ओडीआई सहित] का आनुमानिक मूल्य ₹91,469 करोड़ रहा, जो एफपीआई की कुल एयूसी का 1.82 प्रतिशत था । | 1. **Trends in Investments by the Foreign Portfolio Investors (FPIs)**  * FPIs remained net sellers in the month of January 2023 with outflows worth ₹ 26,544 crore. Net outflows were witnessed in equity, debt VRR and hybrid segments to the tune of ₹ 28,852 crore, ₹ 1076 crore and ₹ 146 crore respectively whereas debt segment witnessed net inflows worth ₹ 3531 crore. * Within the equity segment, inflows were observed via primary market route to the tune of ₹ 191.30 crore while secondary market route witnessed outflows amounting to ₹ 29,043 crore. * The AUC of FPIs in India, as at the end of January 2023 was ₹ 50,13,735 crore, out of which the notional value of offshore derivative instruments (ODIs) (including ODIs on derivatives) was ₹ 91,469 crore which constituted 1.82 per cent of total AUC of FPIs. |

**आकृति 9 : एफपीआई निवेश के रुख (₹ करोड़ में)**

**Figure 9: Trends in FPIs’ Investments** (₹ crore)

**स्रोत: एनएसडीएल**

**Source: NSDL**

|  |  |
| --- | --- |
| **VI.** संस्थागत निवेश के रुख   1. म्यूचुअल फंडों द्वारा जुटाया गए पैसा/ किए गए लेनदेन  * **जनवरी 202**3 **के दौरान, म्यूचुअल फंडों में कुल-मिलाकर** ₹11,373 करोड़ का निवेश किया गया, जबकि दिसम्बर 2022 मे **कुल-मिलाकर** ₹4,491 करोड़ निवेश किया गया था। * **जनवरी 202**3 के दौरान, असीमित अवधि वाली स्कीमों के तहत ₹8,66,713 **करोड़ जुटाई गई, जबकि** ₹8**,**55,847 **करोड़ की रकम की यूनिटें बेची गईं/ यूनिटों की पुनःखरीद की गई, और इस प्रकार** असीमित अवधि वाली स्कीमों के तहत कुल-मिलाकर ₹10,866 करोड़ का निवेश रहा । * असीमित अवधि वाली स्कीमों की सभी **श्रेणियों** की स्कीमों के तहत जुटाई गई कुल रकम में से, आय/ऋण उन्मुख स्कीमों के माध्यम से ₹7,97,123 करोड़ की रकम, संवृद्धि/इक्विटी उन्मुख स्कीमों के माध्यम से ₹29,433 करोड़, अन्य स्कीमों के माध्यम से ₹28,603 करोड़, हाइब्रिड स्कीमों के माध्यम से 16,193 करोड़, और सॉल्यूशन ओरियेंटेड स्कीमों के माध्यम से ₹360 करोड़ की रकम जुटाई गई । * **जनवरी 202**3 के दौरान, सीमित अवधि वाली स्कीमों (क्लोज़ एंडेड स्कीमों) द्वारा ₹851 करोड़ और ₹343 करोड़ की रकम की यूनिटों की मीयाद पूरी हो गई / पुनःखरीद की गई। * **जनवरी 202**3 **के अंत तक म्यूचुअल फंडों की कुल मिलाकर शुद्ध प्रबंधनाधीन आस्तियाँ (**असेट्स अंडर मैनेजमेंट)0.66 **प्रतिशत घटकर** ₹**39,**62,406 **करोड़ हो गयी।** * **जनवरी 202**3 **के दौरान, द्वितीयक बाजार (सेकेंडरी मार्केट) में, म्यूचुअल फंडों ने इक्विटी स्कीमों के तहत** ₹21,353 **करोड़ और ऋण** (**डैट) स्कीमों के तहत** ₹8,600 **करोड़ की खरीददारी की गई, और इस तरह से कुल-मिलाकर** ₹12**,**754 **करोड़ रुपये तक की खरीद की गई ।** | 1. **Trends in Institutional Investments** 2. **Trends in Fund Mobilisation/ Transactions by Mutual Funds**  * The net inflow in mutual funds stood at ₹11,373 crore during January 2023 compared to net inflow of ₹4,491 crore during December 2022. * Gross funds mobilised by open-ended schemes during January 2023 was ₹8,66,713 crore as against redemption/repurchase of ₹8,55,847 crore, resulting in a net inflow of ₹10,866 crore from open-ended schemes. * Of the gross fund mobilisation across entire category of schemes under open-ended schemes, ₹7,97,123 crore was mobilised through income/debt oriented schemes, ₹29,433 crore through growth/equity oriented schemes, ₹23,604 crore through other schemes, ₹16,193 crore through hybrid schemes and ₹360 crore through solution oriented schemes. * During January 2023, ₹851 crore and ₹343 crore were mobilised and matured/repurchased[[1]](#footnote-1) respectively by close-ended schemes. * The cumulative net assets under management (AUM) of mutual funds decreased by 0.66 per cent to ₹39,62,406 crore as at the end of January 2023. * In the secondary market, during January 2023, mutual funds purchased ₹21,353 crore in equity schemes and ₹8,600 crore in debt schemes, resulting in a net purchase of ₹12,754 crore. |

**आकृति 10 : द्वितीयक बाजार (सेकेंडरी मार्केट) में म्यूचुअल फंडों द्वारा कुल-मिलाकर की गई खरीद / बिक्री के रुख (₹ करोड़ में)**

**Figure 10: Trends in Net Purchase/Sales of Mutual Funds Transactions in Secondary Market (₹crore)**

|  |  |
| --- | --- |
| **VII.** पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाओं के रुख   * **जनवरी 202**3 **के अंत मे पोर्टफोलियो प्रबंधन उद्योग का एयूएम** ₹**26.**43 **लाख करोड़ का रहा, जबकि** दिसम्बर **2022 के अंत तक की स्थिति के अनुसार यह** ₹**27.**02 **लाख करोड़ का था । साल-दर-साल, पोर्टफोलियो प्रबंधकों के द्वारा कुल आस्तियों** **के प्रबंधन मे 11.51 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ।** * **जनवरी 202**3 **के अंत मे पोर्टफोलियो प्रबंधन उद्योग के तहत ग्राहकों की कुल संख्या 1**,34,212 **रही, जबकि** दिसम्बर **2022 के अंत मे यह संख्या 1**,45,776 **थी। इन ग्राहकों में से 1**,26,593 **ग्राहक पोर्टफोलियो प्रबंधकों की** वैवेकिक सेवाएँ लेने वाले रहे, जब की 5,904 ग्राहक गैर-वैवेकिक सेवाएँ और 1,663 ग्राहक सलाहकार सेवाएँ लेने वाले रहे । | * **Trends in Portfolio Management Services** * At the end of January 2023, AUM of the portfolio management industry stood at ₹26.43 lakh crore as compared to ₹27.02 lakh crore at the end of December 2022. On a year on year basis, the total asset managed by Portfolio Managers (PMs) increased by 11.51 per cent. * The number of clients in portfolio management industry was at 1,34,212 at the end of January 2023 compared to 1,45,776 at the end of December 2022. Out of the total number of clients, 1,26,593 clients were of discretionary services category, 5,904 clients in non-discretionary services category and 1,663 clients availed advisory services of portfolio managers. |

आकृति 11: पोर्टफोलियो प्रबंधकों के ग्राहकों की संख्या और उनकी प्रबंधनाधीन आस्तियाँ (एयूएम)

**Figure 11: Number of Clients and AUM of Portfolio Managers**

*टिप्पणी : दिसम्बर 2022 के आँकड़े 312 पीएमएस द्वारा 1 फरवरी, 2023 तक प्रस्तुत की गई जानकारी के अनुसार दिए गए हैं । नवम्बर 2022 के आँकड़ों में 314 पीएमएस द्वारा 1 फरवरी, 2023 तक प्रस्तुत की गई जानकारी के अनुसार बदलाव किया गया है ।*

*Note: The data for the month of December 2022 is as per submissions made by 312 PMSs till February 1, 2023. Data for the month of November 2022 is revised as per submisison made by 314 PMSs till February 1, 2023.*

|  |  |
| --- | --- |
| **VIII.** शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण:   * **जनवरी 202**3 **के दौरान,** [भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011](http://www.sebi.gov.in/sebihindi/Regulation_h/Reg48_h/Reg48_h.html) **के तहत 5 खुले प्रस्ताव बंद हुए, जिनका मूल्य** ₹597 **करोड़ का था।** | 1. **Trends in Substantial Acquisition of Shares and Takeovers**  * During January 2023, 5 open offers with offer value of ₹ 597 crore closed under SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeover) Regulations, 2011. |

आकृति **12 : उन खुले प्रस्तावों (ओपन ऑफर) के ब्यौरे, जिन्हें भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के तहत बंद किया गया**

**Figure 12: Details of Open Offers Closed under the SEBI (SAST) Regulations**

|  |  |
| --- | --- |
| 1. कमोडिटी डेरिवेटिव बाजार 2. बाजार के रुख  * **जनवरी 202**3 **के अंत मे, एमसीएक्स के आईकॉमडेक्स कम्पोज़िट सूचकांक में, पिछले महीने की तुलना में 1.1 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई।** * **क्षेत्रो के सूचकांकों में, एमसीएक्स आईकॉमडेक्स एनर्जी सूचकांक में 11.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई, जबकि एमसीएक्स आईकॉमडेक्स** **बुलियन सूचकांक और एमसीएक्स आईकॉमडेक्स मेटल सूचकांक में 2.0 प्रतिशत और 3.3 प्रतिशत का इजाफा हुआ ।** * **भारत के कमोडिटी सूचकांकों में पिछले 12 महीनों के दौरान हुए उतार-चढ़ाव को** *आकृति 14* **में दर्शाया गया है। एमसीएक्स के आईकॉमडेक्स कम्पोज़िट सूचकांक के मासिक आंकड़े** *सारणी 65* **में दर्शाए गए हैं ।** | **IX. Commodity Derivatives Market**   1. **Market Trends**  * At the end of January 2023, MCX iCOMDEX composite index increased by 1.1 per cent (M-o-M). * Amongst sectoral indices, MCX iCOMDEX Energy Index decreased by 11.8 per cent, while MCX iCOMDEX Bullion index and MCX iCOMDEX Metal index increased by 2.0 per cent and 3.3 per cent, respectively. * Movement of domestic commodity indices during the last 12 months is given in ***Figure 14.*** The monthly data of MCX’s iCOMDEX composite index is provided in ***Table 65.*** |

आकृति 13 : देश के कमोडिटी डेरिवेटिव बाजार के सूचकांकों में हुआ उतार-चढ़ाव

**Figure 13: Movement of Domestic Commodity Derivatives Market Indices**

टिप्पणी : सूचकांक को 31 दिसम्बर, 2021 के मूल्यों के अनुसार नॉर्मलाइज़ किया गया है ।

Note: The index has been normalised to the values as at Dec 31, 2021

स्रोत: एमसीएक्स

Source: MCX

**सारणी 4: भारत के कमोडिटी डेरिवेटिव बाजार – एक नज़र में**

**Table 4: Snapshot of Indian Commodity Derivatives Markets**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **मद /**  **Items** | **दिसम्बर / Dec-22** | जनवरी **/ Jan-23** | **माह-दर-माह परिवर्तन (प्रतिशत में)**  **Percentage variation M-O-M** |
| **1. सूचकांक / Indices** |  |  |  |
| एमसीएक्स आईकॉमडेक्स  MCX iCOMDEX | 13,435 | 13,581 | *1.1* |
| बुलियन / Bullion | 15,395 | 15,707 | *2.0* |
| आधार धातुएँ / Base Metals | 18,592 | 19,210 | *3.3* |
| ऊर्जा / Energy | 7,152 | 6,311 | *-11.8* |
| एनसीडीईएक्स ग्वारेक्स NCDEX Guarex | 8,004 | 7,714 | *-3.6* |
| **2. व्यापारावर्त (टर्नओवर) - एक्सचेंजों के अनुसार / Turnover Exchange Wise (₹ करोड़ में / ₹ crore)** | | | |
| **भारत के सभी एक्सचेंजों का**  **All-India** | **14,49,408** | **12,13,974** | *-16.2* |
| **एमसीएक्स, जिसमें से**  **MCX, of which** | **14,27,487** | **11,91,774** | *-16.5* |
| फ्यूचर्स / Futures | 4,77,329 | 4,22,517 | *-11.5* |
| ऑप्शन्स / Options | 9,50,159 | 7,69,257 | *-19.0* |
| **बीएसई, जिसमें से**  **BSE, of which** | **233** | **194** | *-16.6* |
| फ्यूचर्स / Futures | 156 | 134 | *-14.2* |
| ऑप्शन्स / Options | 76 | 60 | *-21.4* |
| **एनसीडीईएक्स, जिसमें से**  **NCDEX, of which** | **20,236** | **20,953** | *3.5* |
| फ्यूचर्स / Futures | 20,236 | 20,953 | *3.5* |
| ऑप्शन्स / Options | 0 | 0 | *-* |
| **एनएसई, जिसमें से**  **NSE, of which** | **1451** | **1053** | *-27.5* |
| फ्यूचर्स / Futures | 1 | 1 | *-0.6* |
| ऑप्शन्स / Options | **14,49,408** | **12,13,974** | *-16.2* |

**स्रोत: एमसीएक्स, बीएसई, एनसीडीईएक्स, एनएसई**

**Source: MCX, BSE, NCDEX, NSE**

|  |  |
| --- | --- |
| * **कमोडिटी डेरिवेटिव का व्यापारावर्त (टर्नओवर)** * जनवरी 2023 के दौरान, पूरे भारत मे कमोडिटी व्युत्पन्नी की व्यापारावर्त पिछले महीने की तुलना में 16.2 प्रतिशत घटकर ₹12.1 लाख करोड़ की हो गयी । * कुल व्यापारावर्त में कृषि और कृषि से इतर खंडों की हिस्सेदारी 0.3 प्रतिशत और 16.5 प्रतिशत से घत गयी। कृषि और कृषि से इतर खंडों के व्यापारावर्त में क्रमशः 1.7 प्रतिशत और 98.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। * कुल व्यापारावर्त में फ्यूचर्स और ऑप्शन्स कॉण्ट्रैक्ट की हिस्सेदारी क्रमशः 36.5 प्रतिशत और 63.5 प्रतिशत की रही । पिछले महीने की तुलना में, फ्यूचर्स कॉण्ट्रैक्ट की व्यापारावर्त मे 10.9 प्रतिशत और ऑप्शन्स में 19.1 प्रतिशत गिरावट दर्ज हुई। * एक्सचेंजों की बात करें, तो पिछले महीने की तुलना में एनएसई के टर्नओवर में 27.5 प्रतिशत तक की गिरावट हुई, जबकि बीएसई में यह बढ़त 16.6 प्रतिशत की गिरावट रही। एमसीएक्स और एनसीडीईएक्स के टर्नओवर में क्रमशः 16.5 प्रतिशत तथा 3.5 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज हुई। * एक्सचेंजों मे कमोडिटी डेरिवेटिव के व्यापारावर्त में हिस्सेदारी के लिहाज से, एमसीएक्स की हिस्सेदारी 98.2 प्रतिशत के साथ सबसे ज्यादा रही, उसके बाद एनसीडीईएक्स की 1.7 प्रतिशत, एनएसई की 0.09 प्रतिशत और बीएसई की 0.02 प्रतिशत रही। * एमसीएक्स में, कृषि और कृषि से इतर दोनों खंडों के व्यापारावर्त (टर्नओवर) में क्रमशः 76.8 प्रतिशत और 16.5 प्रतिशत तक की गिरावट हुई। * एनसीडीईएक्स में, पिछले महीने की तुलना में कुल टर्नओवर 3.5 प्रतिशत घटकर ₹20,953 करोड़ रह गयी। जबकि जीरा फ्यूचर्स के व्यापारावर्त में 18.9 प्रतिशत का इजाफा हुआ। ग्वारगम और ग्वार बीज के फ्यूचर्स में क्रमशः 8.1 प्रतिशत और 3.2 प्रतिशत की बढ़त हुई जिसकी वजह से कुल-मिलाकर यह बढ़त देखने को मिली। * बीएसई में ₹194 करोड़ का (टर्नओवर) दर्ज हुआ, जो पिछले महीने की तुलना में 16.6 प्रतिशत कम रहा। कुल व्यापारावर्त में फ्यूचर्स कॉण्ट्रैक्ट की हिस्सेदारी 69.1 प्रतिशत (₹134 करोड़) की रही, जबकि ऑप्शन्स कॉण्ट्रैक्ट की हिस्सेदारी 30.9 प्रतिशत (₹60 करोड़) की रही । ऑप्शन्स के व्यापारावर्त में, गोल्ड मिनी कॉण्ट्रैक्ट की शत-प्रतिशत हिस्सेदारी रही । * एनएसई में ₹1,053 करोड़ रुपये का व्यापारावर्त दर्ज हुआ, जो पिछले महीने की तुलना में 27.5 प्रतिशत कम रहा। एनएसई के व्यापारावर्त में गोल्ड मिनी कॉण्ट्रैक्ट के ऑप्शन्स कॉण्ट्रैक्ट् की ही लगभग पूरी हिस्सेदारी रही। * एक्सचेंजों में कमोडिटी डेरिवेटिव के व्यापारावर्त के रुख आकृति 15, 16 और 17 में दर्शाए गए हैं और इनसे संबंधित ब्यौरे सारणी 66 से 69 में दिए गए हैं । | * **Commodity Derivatives Turnover** * During January 2023, pan- India turnover of all commodity derivatives contracts decreased by 16.2 per cent to ₹12.1 lakh crore over the previous month. * The turnover of agri. segment decreased by 0.3 per cent while that of non-agri segment decreased by 16.5 per cent. * The percentage share of agri and non-agri segments in overall turnover accounted for 1.7 per cent and 98.3 per cent, respectively. * The percentage share of futures and options contracts in overall turnover stood at 36.5 per cent and 63.5 per cent, respectively. The turnover of futures contracts decreased by 10.9 per cent and that of options decreased by 19.1 per cent over the previous month. * At exchange level, the turnover has increased for NCDEX by 3.5 per cent. However, the turnover decreased for MCX, BSE and NSE by 16.5 per cent, 16.6 per cent and 27.5 per cent, respectively (M-o-M). * In terms of percentage share of commodity derivatives turnover among exchanges, the MCX has the highest market share of 98.2 per cent, followed by NCDEX (1.7 per cent), NSE (0.09 per cent) and BSE (0.02 per cent). * At MCX, the turnover of agri. segment decreased by 76.8 per cent while the decrease in the non-agri segment was of 16.5 per cent. * At NCDEX, the overall turnover increased by 3.5 per cent to ₹20,953 crore over the previous month. This can be attributed to the increase in turnover of Jeera, Guargum and Guarseed by 18.9 per cent, 8.1 per cent and 3.2 per cent, respectively. * The BSE recorded turnover of ₹194 crore, which is a decline of 16.6 per cent from the previous month. The futures contracts contributed 69.1 per cent (₹134 crore) while options contracts contributed 30.9 per cent (₹60 crore) to the total turnover. In the category of options, gold mini contracts solely contributed to the turnover. * NSE recorded turnover of ₹1,053 crore, a decrease of 27.5 per cent over the previous month. The options on gold mini contracts contributed to almost all of the turnover in the commodity derivatives segment. * The trends in turnover of commodity derivatives at exchanges are shown in Figures 15, 16 and 17 and the details are given in Tables 66 to 69. |

**आकृति 14: कृषि कमोडिटी डेरिवेटिव के व्यापारावर्त (टर्नओवर) के रुख**

**Figure 14: Trends in Turnover of Agricultural Commodity Derivatives**

**स्रोत: एमसीएक्स, एनसीडीईएक्स, एनएसई, बीएसई**

**Source: MCX, NCDEX, NSE, BSE**

आकृति 15: कृषि से इतर फ्यूचर्स कॉण्ट्रैक्ट के व्यापारावर्त (टर्नओवर) के रुख

**Figure 15: Trends in Turnover of Non-Agricultural Futures contracts**

स्रोत: एमसीएक्स, एनसीडीईएक्स, एनएसई, बीएसई

**Source: MCX, NCDEX, NSE, BSE**

आकृति 16: कृषि से इतर ऑप्शन्स कॉण्ट्रैक्ट के व्यापारावर्त (टर्नओवर) के रुख

**Figure 16: Trends in Turnover of Non-Agricultural Options contracts**

**स्रोत: एमसीएक्स, बीएसई, एनएसई**

**Source: MCX, BSE, NSE**

### वैश्विक वित्तीय बाजारों की समीक्षा

### **OVERVIEW OF THE GLOBAL FINANCIAL MARKETS**

**क. अर्थव्यवस्था की स्थिति**

**A. State of Economy**

**वैश्विक अर्थव्यवस्था**

**Global Economy**

* विश्व बैंक और आईएमएफ की रिपोर्टों के साथ-साथ कई उद्योग सर्वेक्षणों से स्पष्ट है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर बढ़ रही है। वैश्विक अर्थव्यवस्था को तीन झटकों का सामना करना पड़ा है, अर्थात्, महामारी जिसके परिणामस्वरूप आपूर्ति-श्रृंखला टूट गई, उसके बाद रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण दुनिया भर में मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई और प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में सहवर्ती वृद्धि हुई फेड के नेतृत्व में जिसने विदेशी पोर्टफोलियो निवेश को उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीई) से बाहर कर दिया।
* हाल के महीनों में, वैश्विक विकास के दृष्टिकोण में थोड़ा सुधार हुआ है। मुद्रास्फीति ऊंचे स्तरों से कुछ नरमी प्रदर्शित कर रही है, जिससे केंद्रीय बैंकों को मौद्रिक सख्ती के आकार और गति को कम करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। फिर भी, नीति को कड़ा करने की कवायद पर अभी तक विराम के कोई संकेत नहीं हैं। बॉन्ड यील्ड अस्थिर रहती है। अमेरिकी डॉलर अपने हाल के शिखर से नीचे आ गया है, जबकि इक्विटी बाजार ऊपर चले गए हैं। प्रमुख उन्नत अर्थव्यवस्थाओं (एई) में कमजोर बाहरी मांग, संरक्षणवादी नीतियों की बढ़ती घटनाएं, अस्थिर पूंजी प्रवाह और ऋण संकट, हालांकि, उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं की संभावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं।
* भारतीय अर्थव्यवस्था निराशाजनक परिदृश्य के बीच भी एक उज्ज्वल स्थान की तरह दिखाई दे रही है। भारत लगातार तीन महीनों तक मुद्रास्फीति को आरबीआई के सहिष्णुता स्तर)यानी छह प्रतिशत) से ऊपर ला सकता है। रूस के साथ रुपये का व्यापार और ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात के साथ क्षेत्रीय व्यापार समझौते विदेशी मुद्रा बाजार में रुपये को और समर्थन दे सकते हैं। भारत ने दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण कार्यक्रमों में से एक को चलाकर महामारी से बहुत कुशलता से मुकाबला किया। भारत ने कई देशों से आगे FY22 में पूरी तरह से आर्थिक बाहाली का
* The global economy is heading towards a recession as evident from reports of the World Bank and the IMF as well as several industry surveys. The global economy has been hit by three shocks, namely, the pandemic that resulted in a supply-chain breakdown, followed by the Russia-Ukraine conflict leading to a worldwide surge in inflation and concomitant front-loaded raising of interest rates by major central banks led by the Fed which drove the foreign portfolio investments out of emerging market and developing economies (EMDEs).
* In the recent months, the outlook for global growth has slightly improved. Inflation is exhibiting some softening from the elevated levels, prompting central banks to moderate the size and pace of monetary tightening. Nevertheless, there are yet no signs of a pause on the policy tightening exercise. Bond yields remain volatile. The US dollar has come off its recent peak, while equity markets have moved higher. Weak external demand in major advanced economies (AEs), the rising incidence of protectionist policies, volatile capital flows and debt distress could, however, weigh adversely on the prospects for emerging market economies (EMEs).
* Amid the gloom outlook, the Indian economy appears to be in a bright spot. India could bring down the inflation from above the tolerance level of RBI (i.e. six per cent) for three consecutive months in a row. Rupee denominated trade with Russia and regional trade agreements with मंचन किया और FY23 में सामान्य पूर्व-महामारी विकास पथ पर चढ़ने के लिए खुद को तैनात किया।
* वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में जनवरी 2023 में गिरावट जारी रही, लेकिन साल की शुरुआत में हुए घटनाक्रमों ने संकेत दिए कि मंदी शायद अपने निम्नतम स्तर को पार कर चुकी है। जेपी मॉर्गन ग्लोबल कंपोजिट आउटपुट इंडेक्स ने जनवरी 2023 में 49.8 अंक प्रदर्शित किया, जो दिसंबर 2022 में 48.2 था, जो 50.0 के नो-चेंज मार्क से केवल कुछ आधार अंक नीचे है। विनिर्माण गतिविधि में गिरावट कम हुई, जबकि सेवा क्षेत्र की गतिविधि तीन महीने की लगातार गिरावतट के बाद उच्च स्तर पर टिक गई। जनवरी 2023 में जेपी मॉर्गन ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई तटस्थ 50.0 अंक से नीचे 49.1 पर रहा,जो कि दिसंबर 2022 की तुलना ( 48.7 में गिरावट की धीमी दर का संकेत था। जेपी मॉर्गन ग्लोबल सर्विसेज बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स दिसंबर 2022 में 48.1 से बढ़कर जनवरी 2023 में 50.1 हो गया जो कि जुलाई 2022 के बाद पहली बार आउटपुट में वृद्धि का संकेत है ।
* Australia and the United Arab Emirates may give further support to Rupee in the forex market. India very efficiently tackled the pandemic by carrying out one of the largest vaccination programmes in the world. India staged a full recovery in FY22 ahead of many nations and positioned itself to ascend to the normal pre-pandemic growth path in FY23.
* Although global economic activity continued to fall in January 2023, developments at the start of the year provided signs that the downturn may have passed its nadir. The J.P.Morgan Global Composite Output Index posted 49.8 in January 2023, up from 48.2 in December 2022, a level only a few bps below the no-change mark of 50.0. The downturn in manufacturing activity eased, while service sector activity ticked higher following a three-month sequential contraction. At 49.1 in January 2023, the J.P.Morgan Global Manufacturing PMI remained below the neutral 50.0 mark, but rose from 48.7 in December 2022 to signal a slower rate of decline. The J.P.Morgan Global Services Business Activity Index rose to 50.1 in January 2023, from 48.1 in December 2022, to signal an increase in output for the first time since July 2022.

**संयुक्त राज्य अमेरिका**

**United States**

* आर्थिक विश्लेषण ब्यूरो के "प्रारंभिक" अनुमान के अनुसार, अमेरिका का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद(जीडीपी) 2022 की चौथी तिमाही के दौरान 2.9 प्रतिशत की वार्षिक दर से वृद्धि हुई, जो कि 2022 कि तीसरी तिमाही में 3.2 प्रतिशत था।
* अमेरिका में वार्षिक मुद्रास्फीति दर नवंबर 2022 में 7.1 प्रतिशत में घटकर दिसंबर 2022 6.5 प्रतिशत हो गई, जो पिछले एक साल में सबसे कम है। जनवरी 2023 में बेरोजगारी दर दिसमबर 2022 की बेरोजगारी दर 3.5 प्रतिशत से घटकर 3.4 प्रतिशत हो गई।
* According to the “preliminary” estimate by Bureau of Economic Analysis, the real Gross Domestic Product (GDP) of the US increased at an annual rate of 2.9 per cent (Q-o-Q) during the fourth quarter of 2022, as compared to 3.2 per cent growth in Q3 2022.
* The annual inflation rate in the US slowed to 6.5 per cent in December 2022, the lowest in the last one year, from 7.1 per
* एसएंडपी ग्लोबल यूएस कम्पोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स जनवरी 2023 में 46.6 अंक रहा, जो दिसंबर 2022 में 45.0 अंक था।यह एक मजबूत संकुचन का संकेत है जो अक्टूबर 2022 के उप्रांत सबसे धीमी गति से है। रही। एसएंडपी ग्लोबल के नवीनतम पीएमआई आंकड़ों के अनुसार अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र की सेहत में 2023 की शुरुआत में गिरावट जारी, हालांकि यह गिरावट दिसंबर 2022 की तुलना में कम है। एसएंडपी ग्लोबल यूएस मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई ने जनवरी 2023 में 46.9 अंक रहा , जो दिसंबर 2022 के 46.2 अंक से थोड़ा ऊपर था। एसएंडपी ग्लोबल यूएस सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स जनवरी 2023 में 46.8 अंक दर्ज किया गया, जो दिसंबर 2022 में 44.7 था।

cent in November 2022. The unemployment rate edged down to 3.4 per cent in January 2023 from 3.5 per cent in December 2022.

* The S&P Global US Composite PMI Output Index posted 46.6 in January 2023, higher than 45.0 in December 2022, indicating a strong contraction, albeit at slowest pace since October 2022. The health of the US manufacturing sector continued to decline at the start of 2023, according to the latest PMI data from S&P Global, albeit deteriorating at a reduced rate compared to December 2022. The S&P Global US Manufacturing PMI posted 46.9 in January 2023, up slightly from 46.2 in December 2022. The S&P Global US Services PMI Business Activity Index registered 46.8 in January 2023, up from 44.7 in December 2022.

**यूनाइटेड किंगडम**

**United Kingdom**

* ऑफिस ऑफ़ नेशनल स्टैटिस्टिक्स के पहले तिमाही अनुमानों के अनुसार, यूके की वास्तविक जीडीपी Q4 2022 में स्थिर थी, यह Q3 2022 से 0.2 प्रतिशत का संकुचन है।
* उपभोक्ता मूल्य सूचकांक( सीपीआई) दिसंबर 2022 तक के 12 महीनों में 10.5 प्रतिशत बढ़ा, जो नवंबर 2022 तक के 12 महीनों में 10.7 प्रतिशत से नीचे था।
* यूके में बेरोजगारी दर अक्टूबर 2022 से दिसंबर 2022 में 3.7 फीसदी पर बनी हुई है।
* As per the first quarterly estimates by Office of National Statistics, the real GDP of the UK was stagnant (Q-o-Q) in Q4 2022, as compared to a contraction of 0.2 per cent in Q3 2022.
* The Consumer Price Index (CPI) rose by 10.5 per cent in the 12 months to December 2022, down from 10.7 per cent in the 12 months to November 2022.
* The unemployment rate in the UK has remained at 3.7 per cent in December 2022 since October 2022.
* फरवरी 2023 में आयोजित मौद्रिक नीति बैठक में बैंक ऑफ इंग्लैंड ने ब्याज दरों में 50 बीपीएस प्रतिशत की वृद्धि की है। जिससे ब्याज दर 4.0 प्रतिशत हो गई, इसने 2008 के बाद से उधार लेने की लागत को उच्चतम स्तर पर धकेल दिया। In its Monetary Policy Meeting held in February 2023, the Bank of England raised interest rates by 50 bps to 4.0 per

नीति निर्माता आर्थिक मंदी के डर के बीच मुद्रास्फीति को रोकने की कोशिश कर रहे थे।

cent, pushing the cost of borrowing to the highest level since late-2008, as policymakers try to contain inflation amid fears of a looming economic recession.

* एसएंडपी ग्लोबल यूके कम्पोजिट पीएमआई जनवरी 2023 में 47.8 अंक रहा, जो दिसंबर 2022 में 49.0 अंक से नीचे था। सेवा पीएमआई दिसंबर 2022 में 49.9 अंक से घटकर जनवरी 2023 में 48.7अंक हो गया। यह गतिविधि में लगातार चौथी मासिक गिरावट का संकेत है। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जनवरी 2023 में 47.0 अंक रहा, जो दिसंबर के 31 महीने के निचले स्तर 45.3 अंक के गिरावट का संकेत था।
* The S&P Global UK Composite PMI posted 47.8 in January 2023, down from 49.0 in December 2022. The Services PMI decreased to 48.7 in January 2023 from 49.9 in December 2022, signalling a fourth consecutive monthly fall in activity. The Manufacturing PMI posted 47.0 in January 2023, up from December's 31-month low of 45.3 signalling deterioration, for the sixth successive month albeit at a slower pace.

**यूरो क्षेत्र**

**Euro area**

* यूरोपीय संघ के सांख्यिकीय कार्यालय (यूरोस्टेट) द्वारा जारी जीडीपी के अनुमानों के अनुसार, यूरोजोन की जीडीपी 2022 की चौथी तिमाही में मामूली 0.1 प्रतिशत बढ़ी, जो 2022 की तीसरी तिमाही में 0.3 प्रतिशत के विस्तार से कम है।
* As per the estimates of GDP released by Eurostat (the statistical office of the European Union), GDP of the Eurozone increased at a meagre 0.1 per cent in Q4 2022, down from a 0.3 per cent expansion in Q3 2022.
* प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार, यूरो क्षेत्र में वार्षिक मुद्रास्फीति की दर दिसंबर 2022 में 9.2 प्रतिशत से गिरकर जनवरी 2023 में आठ महीने के निचले स्तर 8.5 प्रतिशत पर आ गई।
* As per the preliminary estimates, annual inflation rate in the euro area fell to an eight-month low of 8.5 per cent in January 2023 from 9.2 per cent in December 2022.
* दिसंबर 2022 में यूरो क्षेत्र की मौसमी-समायोजित बेरोजगारी दर 6.6 प्रतिशत थी, जो नवंबर 2022 में 6.5 प्रतिशत की तुलना में स्थिर थी।
* The euro area seasonally-adjusted unemployment rate was 6.6 per cent in December 2022, stable compared with 6.5 per cent in November 2022.
* यूरोपीय सेंट्रल बैंक ने अपनी फरवरी 2023 की बैठक के दौरान मुख्य पुनर्वित्त संचालन पर ब्याज दर 50 बीपीएस से बढ़ाकर 3.0 प्रतिशत कर दी। इसने उधार लेने की लागत को 2008 के बाद से उच्चतम स्तर पर धकेल दिया।यूरोपीय सेंट्रल बैंक अपने अगले मौद्रिक निती बैठक में 50 बीपीएस की दर से और वृद्धि करने का वादा किया।
* The European Central Bank raised the interest rate on the main refinancing operations by 50 bps to 3.0 per cent during its February 2023 Meeting, pushing up borrowing costs to the highest level since late 2008 and pledging to deliver another 50 bps rate hike at its next monetary policy meeting in March 2023.

**भारत**

**India**

* राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) द्वारा पहले उन्नत अनुमानों के अनुसार, भारत की वास्तविक GDP 2022-23 के दौरान 7 प्रतिशत से बढ़ने का अनुमान है। आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 में पुर्वानुमान किया है कि 2023-24 में भारत की जीडीपी वास्तविक रूप से 6.5 प्रतिशत से बढ़ेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी 2023-24 में भारत की जीडीपी में 6.4 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है।
* As per the First Advanced Estimates by the National Statistical Office (NSO), Ministry of Statistics and Programme Implementation (MoSPI), real GDP of India is estimated to have grown by 7 per cent during 2022-23. The Economic Survey 2022-23 predicts that India’s GDP will grow by 6.5 per cent in real terms in 2023-24. RBI has also forecast India’s GDP to grow by 6.4 per cent in 2023-24.
* जनवरी 2023 में CPI (सामान्य) पर आधारित अखिल भारतीय मुद्रास्फीति दर दिसंबर 2022 में 5.72 प्रतिशत से बढ़कर 6.5 प्रतिशत हो गई।
* All India inflation rate, based on CPI (general), in January 2023 climbed up to 6.5 per cent from 5.72 per cent in December 2022.
* MoSPI द्वारा जारी त्वरित अनुमानों के अनुसार, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) दिसंबर 2022 के दौरान 4.3 प्रतिशत सालाना गति से बढ़ा, जबकि नवंबर 2022 के दौरान 7.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।
* As per quick estimates released by MoSPI, Index of Industrial Production (IIP) increased by 4.3 per cent (Y-o-Y) during December 2022, compared to a growth of 7.1 per cent during November 2022.
* भारतीय रिज़र्व बैंक ने फरवरी 2023 की बैठक के दौरान प्रमुख रेपो दर को 25 बीपीएस से बढ़ाकर 6.50 प्रतिशत कर दिया, जो वर्तमान विकसित व्यापक आर्थिक स्थिति के आकलन के आधार पर लगातार छठी दर वृद्धि है। नतीजतन, स्थायी जमा सुविधा( एसडीएफ) दर 6.25 प्रतिशत और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर और बैंक दर 6.75 प्रतिशत पर समायोजित हो गई है।
* The Reserve Bank of India raised its key repo rate by 25 bps to 6.50 per cent during its February 2023 meeting, the sixth rate hike in a row on the basis of an assessment of the current evolving macroeconomic situation. Consequently, the standing deposit facility (SDF) rate stands adjusted to 6.25 per cent and the marginal standing facility (MSF) rate and the Bank Rate to 6.75 per cent.
* पीएमआई सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि जनवरी 2023 के दौरान पूरे भारत में निजी क्षेत्र की गतिविधियों में तेज विस्तार जारी रहा। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज पीएमआई ने उत्पादन में अठारहवीं लगातार मासिक वृद्धि का संकेत दिया और जनवरी 2023 में 57.2 अंक रहा। । मौसमी रूप से समायोजित एस एंड पी ग्लोबल इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई ने परिचालन स्थितियों में लगातार उन्नीसवें मासिक सुधार पर प्रकाश डाला। यह जनवरी 2023 में 55.4 अंक रहा।
* The PMI survey data show that during January 2023, sharp expansion in private sector activity continued across India. Posting 57.2 in January 2023, the seasonally adjusted S&P Global India Services PMI signalled an eighteenth successive monthly rise in output. Posting 55.4 in January 2023, the seasonally adjusted S&P Global India Manufacturing PMI highlighted a nineteenth successive monthly improvement in operating conditions.
  1. **बाजार के रुझान**

**B.Market Trends**

**इक्विटी बाजार**

**Equity Markets**

* जनवरी 2023 में, ब्रिक्स देशों मे (रूस को छोड़कर), सबसे ज्यादा अस्थिरता ब्राज़ील के iBovespa (21.7 प्रतिशत), और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के FTSE/JSE All Africa index (13.1 प्रतिशत) मे देखी गई ।
* In January 2023, amongst the BRICS countries (excluding Russia), highest annualized volatility was observed in iBovespa of Brazil (21.7 per cent), followed by FTSE/JSE All Africa index of South Africa (13.1 per cent).
* सारे सूचकांक के मासिक वृद्धि के आधार पर, भारतीय सूचकांकों छोड़ कर, ब्रिक्स देश के सारे (रूस को छोड़ कर) सूचकांक ऊंचाई पे बंद हुए । Nifty 50 ने पिछेल महीने -2.4 प्रतिशत जबकि S&P BSE SENSEX ने -2.1 प्रतिशत का नुकसान दिया । जनवरी मे FTSE/JSE Africa All Share Index ने 8.8 प्रतिशत का लाभ दिया, जबकि चीन के Shanghai SE Composite index ने 5.4 प्रतिशत का लाभ दिया ।
* In terms of monthly return of indices, barring Indian Indices, all indices of BRICS countries (excluding Russia) closed at higher levels. While Nifty 50 recorded a monthly return of -2.4 per cent, S&P BSE SENSEX recorded a return of -2.1 per cent. FTSE/JSE Africa All Share Index recorded a return of 8.8 per cent and Shanghai SE Composite index of China recoded a monthly return of 5.4 per cent in January 2023.
* चुनिंदा विकसित बाजार सूचकांकों में, हॉगकॉग के Hang Seng और अमरीका के NASDAQ COMPOSITE दोनों में 19.8 प्रतिशत की उच्चतम वार्षिक अस्थिरता देखी गई, जबकि ब्रिटेन का FTSE 100 सबसे कम अस्थिर था।
* Among select developed market indices, both Hang Seng of Hong Kong and NASDAQ COMPOSITE of USA witnessed the highest annualised volatility of 19.8 per cent each, while FTSE 100 of UK was least volatile.
* चुनिंदा विकसित बाजार सूचकांकों पिछले महीने, में सारे सूचकांकों के अंत में सूचकांकों मे नज़र आया। NASDAQ COMPOSITE ने 10.7 प्रतिशत का प्रभावशाली मासिक मुनाफ़ा दिया, इसके बाद हांगकांग के HANG SENG index 10.4 प्रतिशत मुनाफ़ा दिया ।
* Among select developed market indices, all indices closed at levels higher than their respective levels at the end of the previous month. NASDAQ COMPOSITE gave an impressive monthly return of 10.7 per cent, followed by HANG SENG index of Hong Kong with a return of 10.4 per cent.
* MSCI All Country World Price Index, जिसमे 23 विकसित और 24 उभरते बाजारों में बड़े और मिड कैप शेयरों के पूर्ण अवसर समूह के प्रदर्शन का प्रतिनिधित्व करने के लिए विकसित किया गया है, उसमे जनवरी 2023 के अंत 7.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उसी समय के दौरान, MSCI Developed World Index, जो 23 विकसित बाजारों के देशों में बड़े और मिडकैप प्रतिनिधित्व को दर्शाता है, 7.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। MSCI Emerging Market Index, जो 24 उभरते बाजारों वाले देशों में लार्ज और
* The MSCI All Country World Price Index, designed to represent performance of the full opportunity set of large and mid cap stocks across 23 developed and 24 emerging markets, increased by 7.0 per cent at the end of January 2023 from the level at the end of December 2022. During the same time, the MSCI Developed World Index, which captures large and

मिड कैप प्रतिनिधित्व को दर्शाता है, 7.9 प्रतिशत बढ़ा।

midcap representation across 23 developed markets countries, increased by 7.1 per cent. The MSCI Emerging Market Index, which captures large and mid cap representation across 24 emerging markets countries, increased by 7.9 per cent.

**तालिका 1: स्टॉक सूचकांकों का प्रदर्शन**

**Table 1: Performance of Stock Indices**

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **देश** | **सूचकांक का नाम** | **समापन मूल्य के रूप में** | **अवधि के दौरान समापन मूल्य में प्रतिशत परिवर्तन** | | | | **अस्थिरता (%)** | **पी / ई अनुपात** |
| **31-जनवरी-23** | **1-महीना** | **3-माह** | **6-माह** | **1-वर्ष** |
| **BRICS राष्ट्र** | | | | | | | | |
| ब्राज़िल | BRAZIL IBOVESPA | 1,13,431 | 3.4 | -2.2 | 10.0 | 1.1 | 21.7 | 6.3 |
| भारत | Nifty 50 | 17,662 | -2.4 | -1.9 | 2.9 | 1.9 | 11.3 |  |
| भारत | S&P BSE SENSEX | 59,550 | -2.1 | -2.0 | 3.4 | 2.6 | 11.3 | 22.3 |
| चीन | SHANGHAI SE COMPOSITE | 3,256 | 5.4 | 12.5 | 0.1 | -3.1 | 6.8 | 12.0 |
| दक्षिण अफ्रीका | FTSE/JSE AFRICA ALL SHR | 79,477 | 8.8 | 19.2 | 15.3 | 7.0 | 13.1 | 9.4 |
| **विकसित बाजार** | | | | | | | | |
| अमेरीका | NASDAQ COMPOSITE | 11,585 | 10.7 | 5.4 | -6.5 | -18.6 | 19.8 | NA |
| अमेरीका | DOW JONES INDUS. AVG | 34,086 | 2.8 | 4.1 | 3.8 | -3.0 | 13.5 | 20.3 |
| फ्रांस | CAC 40 | 7,082 | 9.4 | 13.0 | 9.8 | 1.2 | 13.1 | 11.5 |
| जर्मनी | DAX | 15,128 | 8.7 | 14.1 | 12.2 | -2.2 | 12.0 | 14.5 |
| यूके | FTSE 100 | 7,772 | 4.3 | 9.5 | 4.7 | 4.1 | 8.1 | 11.6 |
| हॉगकॉग | HANG SENG | 21,842 | 10.4 | 48.7 | 8.4 | -8.2 | 19.8 | 12.2 |
| दक्षिण कोरिया | KOSPI | 2,425 | 8.4 | 5.7 | -1.1 | -8.9 | 14.8 | NA |
| जापान | NIKKEI 225 | 27,327 | 4.7 | -0.9 | -1.7 | 1.2 | 15.3 | 14.6 |
| सिंगापुर | STRAITS TIMES STI | 3,366 | 3.5 | 8.8 | 4.8 | 3.6 | 10.8 | 9.6 |
| ताइवान | TAIWAN TAIEX | 15,265 | 8.0 | 17.9 | 1.8 | -13.6 | 15.9 | 11.3 |

नोट: **पी/ई अनुपात महीने के अंतिम कारोबारी दिन के अनुसार हैं।**

**NA: उपलब्ध नहीं है**

**सेंसेक्स और निफ्टी के लिए आंकड़े संबंधित एक्सचेंज की वेबसाइट से लिए गए हैं।**

**स्रोत: रिफिनिटिव, बीएसई और एनएसई**

**Note:** P/E Ratios are as on the last trading day of month.

**NA:** Not Available

Data for Sensex and Nifty were taken from respective exchange website.

**Source:** Refinitiv, BSE and NSE

**चित्र 1: चुनिंदा स्टॉक मार्केट सूचकांकों में रुझान**

**Figure 1: Trends in Select Stock Market Indices**

नोट: **सभी सूचकांकों को 31 दिसंबर, 2021 को 100 पर अनुक्रमित किया गया है।**

स्रोत: **रिफिनिटिव**

**Note**: All indices have been indexed to 100 on December 31, 2021.

**Source**: Refinitiv

बॉन्ड बाजार

**Bond Market**

* ब्रिक्स देशों मे, जनवरी 2023 के अंत में, ब्राजील में उच्चतम 10-वर्षीय संप्रभु उपज (सरकारी बॉन्ड) प्रतिफल (13.1 प्रतिशत) और सबसे कम चीन (2.9 प्रतिशत) में देखा गया।
* Among BRIC Nations, at the end of January 2023, highest 10-year government bond yield was observed in Brazil (13.1 per cent) and the lowest in China (2.9 per cent).
* जनवरी 2023 के अंत में भारतीय 10-वर्षीय संप्रभु उपज (सरकारी बॉन्ड) प्रतिफल 7.3 प्रतिशत पर मध्यम था।
* Indian 10-year government bond yield was moderate at 7.3 per cent at the end of January 2023.
* चुनिंदा विकसित देशों में, अमेरिका में 10-वर्षीय संप्रभु उपज (सरकारी बॉन्ड) का प्रतिफल जनवरी 2023 में घटकर 3.5 प्रतिशत हो गया, जो दिसंबर 2022 में 3.8 प्रतिशत था। और उसी समय के दौरान प्रतिशतब्रिटेन में 10-वर्षीय सरकारी बॉन्ड का प्रतिफल भी 3.7 प्रतिशत से गिरकर 3.3 प्रतिशत हो गया।
* Among select developed countries[[2]](#footnote-2), 10-year government bond yield in the US declined to 3.5 per cent in January 2023 from 3.8 per cent in December 2022. The yield of 10-year government bond in the UK also fell to 3.3 per cent from 3.7 per cent during the same time.

**तालिका 2: 10-वर्षीय सरकारी बॉन्ड प्रतिफल**

**Table 2: 10-year Government Bond Yields**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **देश / Country** | **प्रतिफल यथावत / Yield as on** | **पिछली अवधि में बॉन्ड यील्ड / Bond Yield in previous period** | | | |
| **31-Jan-23** | **1-महीना / Month** | **3-माह/ Months** | **6-माह / Months** | **1-वर्ष / Year** |
| **BRIC राष्ट्र / BRICS Nations** | | | | | |
| ब्राज़िल / Brazil | **13.1** | 12.8 | 11.9 | 13.0 | 11.1 |
| रूस / Russia | **10.6** | 10.4 | 9.9 | 9.1 | 9.4 |
| भारत / India | **7.3** | 7.3 | 7.4 | 7.3 | 6.7 |
| चीन / China | **2.9** | 2.9 | 2.7 | 2.8 | 2.7 |
| **विकसित बाजार / Developed Markets** | | | | | |
| अमेरीका / USA | **3.5** | 3.8 | 4.1 | 2.6 | 1.8 |
| यूके / UK | **3.3** | 3.7 | 3.5 | 1.9 | 1.3 |
| जर्मनी / Germany | **2.3** | 2.6 | 2.2 | 0.8 | 0.0 |
| स्पेन / Spain | **3.3** | 3.7 | 3.3 | 1.9 | 0.8 |
| जापान / Japan | **0.5** | 0.4 | 0.2 | 0.2 | 0.2 |

स्रोत: **रिफिनिटिव**

**Source:** Refinitiv

मुद्रा बाज़ार

**Currency Market**

* जनवरी 2023 में, ब्रिक्स देशों के बीच, दक्षिण अफ़्रीकी रैंड के अलावा, अमरीकी डॉलर के मुकाबले सभी मुद्राये मजबूत हुई। ब्राज़ील के रियाल ने सर्वाधिक 4.0 प्रतिशत की बढ़त हासिल की, उसके बाद रूसी रूबल (2.7 प्रतिशत), का स्थान रहा।
* In January 2023, among BRICS nations, apart from South African Rand, all currencies appreciated against USD. Brazilian Real gained the most by 4.0 per cent, followed by Russian Rouble (2.7 per cent).
* दक्षिण अफ्रीका के रेंड में 2.3 प्रतिशत की गिरावट आई। जनवरी 2023 में, चयनित विकसित देशों की सभी मुद्राये अमरीकी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुई। ब्रिटैन के पाउंड ने सबसे अधिक 1.8 प्रतिशत की सराहना हुई, इसके बाद यूरो (1.5 प्रतिशत) और स्विट्जरलैंड के स्विस फ्रैंक (0.9 प्रतिशत) का स्थान रहा।
* Rand of South Africa depreciated by 2.3 per cent. In January 2023, all currencies of selected developed countries appreciated against USD. Pound of UK appreciated the most by 1.8 per cent, followed by Euro (1.5 per cent) and Swiss Franc of Switzerland (0.9 per cent).

**तालिका 3: विकासशील और विकसित बाजारों में प्रमुख मुद्राओं में उतार-चढ़ाव**

**Table 3: Movement in Major Currencies across Developing and Developed Markets**

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **देश / Country** | **मुद्रा / Currency** | **Index as on** | **अवधि के दौरान मुद्रा सूचकांक में प्रतिशत परिवर्तन** | | | |
|  | **31-Jan-23** | **1-महीना** | **3-माह** | **6-माह** | **1-वर्ष** |
| **BRIC राष्ट्र / BRICS Nations** | | | | | | |
| ब्राज़िल / Brazil | Real | 5.1 | -4.0 | -2.0 | -1.9 | -4.4 |
| रूस / Russia | Rouble | 70.6 | -2.7 | 15.6 | 18.1 | -8.6 |
| भारत / India | Rupee | 81.7 | -1.2 | -1.2 | 3.0 | 9.7 |
| चीन / China | Renminbi | 6.8 | -2.1 | -7.5 | 0.2 | 6.2 |
| एस अफ्रीका / S. Africa | Rand | 17.4 | 2.3 | -4.9 | 4.6 | 13.1 |
| **विकसित बाजार / Developed Markets** | | | | | | |
| यूके / UK | Pound | 0.8 | -1.8 | -6.9 | -1.2 | 9.2 |
| यूरोप / Europe | Euro | 0.9 | -1.5 | -9.0 | -5.9 | 3.4 |
| जापान / Japan | Yen | 130.1 | -0.8 | -12.5 | -2.3 | 13.0 |
| स्विट्ज़रलैंड / Switzerland | Franc | 0.9 | -0.9 | -8.5 | -3.7 | -1.2 |
| अमेरीका / US | Dollar Index | 102.1 | -1.4 | -8.5 | -3.6 | 5.8 |

नोट: **1. सभी मुद्रा दरें यूएसडी के मुकाबले हैं (यूएसडी इंडेक्स को छोड़कर)**

**2. नकारात्मक संकेत (प्रतिशत बदलाव के आंकड़ों में) आधार मुद्रा (यूएसडी) के मुकाबले भाव मुद्रा की सराहना दर्शाता है।**

स्रोत: **रिफिनिटिव**

**Note:** 1. All Currency rates are against USD (excluding USD Index)

2. Negative sign (in percentage change figures) indicates appreciation of quote currency against the base currency (USD)

**Source:** Refinitiv

**चित्र 2: यूएसडी-आईएनआर इंडेक्स, यूएस डॉलर इंडेक्स और एमएससीआई ईएम करेंसी इंडेक्स में उतार-चढ़ाव**

**Figure 2: Movement of the USD-INR Index, US Dollar Index and MSCI EM Currency Index**

टिप्पणी:

**1. 31 दिसंबर, 2021 को सभी सूचकांकों को सामान्य कर 100 कर दिया गया है।**

**2. यू.एस. डॉलर इंडेक्स विदेशी मुद्राओं की एक टोकरी के सापेक्ष यूनाइटेड स्टेट्स डॉलर के मूल्य का एक सूचकांक है। सूचकांक ऊपर जाता है जब अमेरिकी डॉलर अन्य मुद्राओं की तुलना में मूल्य प्राप्त करता है। इंडेक्स को इंटरकांटिनेंटल एक्सचेंज द्वारा बनाए रखा और प्रकाशित किया जाता है। यह निम्नलिखित चुनिंदा मुद्राओं के सापेक्ष डॉलर के मूल्य का भारित ज्यामितीय माध्य है: यूरो, जापानी येन, पाउंड स्टर्लिंग, कैनेडियन डॉलर, स्वीडिश क्रोना, स्विस फ्रैंक।**

**3. MSCI इमर्जिंग मार्केट्स (EM) करेंसी इंडेक्स यूएस डॉलर के सापेक्ष पच्चीस इमर्जिंग मार्केट करेंसियों के प्रदर्शन को ट्रैक करता है।**

स्रोत: **रिफिनिटिव**

**Note:**

1. All indices have been normalised to 100 on December 31, 2021.
2. The U.S. Dollar Index is an index of the value of the United States Dollar relative to a basket of foreign currencies. The Index goes up when the U.S. Dollar gains value compared to other currencies. The index is maintained and published by Intercontinental Exchange. It is a weighted geometric mean of the dollar's value relative to following select currencies: Euro, Japanese Yen, Pound Sterling, Canadian Dollar, Swedish Krona, Swiss Franc.
3. The MSCI Emerging Markets (EM) Currency Index tracks the performance of twenty five emerging market currencies relative to the US Dollar.

**Source:** Refinitiv

यूएस ट्रेजरी सिक्योरिटीज की विदेशी होल्डिंग्स

**Foreign Holdings of US Treasury Securities**

* दिसंबर 2022 तक, जापान अमरीकी राजकोष विपत्र का सबसे बड़ा विदेशी धारक था, जिसके पास कुल जारी राजकोष विपत्र का 15 प्रतिशत हिस्सा है, उसके बाद दूसरा स्थान जिसके बाद चीन (12 प्रतिशत) पर था। दिसंबर 2022 के अंत में अमरीकी राजकोष विपत्र की कुल विदेशी हिस्सेदारी 7,314.6 अरब अमेरिकी डॉलर थी, जिसमें से भारत के पास 221 अरब अमेरिकी डॉलर (3 प्रतिशत) थी और भारत ग्यारहवां सबसे बड़ा धारक था। भारत की धारिता में 10 प्रतिशत मासिक वृद्धि हुई और 1.9 प्रतिशत वार्षिक कमी हुई।
* Till December 2022, Japan was the largest foreign holder of US Treasury Securities, holding 15 per cent of the total issued US Treasury Securities, followed by China (12 per cent). The total foreign holding of US Treasury Securities at the end of December 2022 was USD 7,314.6 billion, of which India held USD 221 billion (3 per cent) and was the eleventh largest holder. India’s holding increased by 10 per cent (M-o-M) and decreased by 1.9 per cent (Y-o-Y).

**तालिका 4: यूएस ट्रेजरी सिक्योरिटीज के प्रमुख विदेशी धारक (यूएसडी बिलियन)**

| **देश / Country** | **दिसम्बर-22 / Dec-22** | **अवधि में परिवर्तन (%) / Change over Period (%)** | |
| --- | --- | --- | --- |
| **1- महीना / Month** | **1- वर्ष / Year** |
| जापान / Japan | 1076.3 | -0.6 | -17.3 |
| चीन (महाद्वीप) / China, Mainland | 867.1 | -0.4 | -16.6 |
| यूनाइटेड किंगडम / United Kingdom | 654.5 | 1.3 | 0.8 |
| बेल्जियम / Belgium | 354.3 | 6.4 | 30.4 |
| केमन द्वीपसमूह / | 329.4 | 5.9 | 0.5 |
| लक्समबर्ग / Luxembourg | 283.8 | 0.1 | 8.0 |
| स्विट्ज़रलैंड / Switzerland | 269.7 | 1.2 | -5.0 |
| आयरलैंड / Ireland | 254.8 | 1.8 | -23.9 |
| ब्राज़िल / Brazil | 225.5 | 0.7 | -9.6 |
| ताइवान / Taiwan | 224.1 | 2.3 | 12.7 |
| भारत / India | 221 | 10.0 | -1.9 |
| फ्रांस / France | 217.4 | -3.8 | -9.6 |
| कनाडा / Canada | 215.1 | -5.9 | -2.1 |
| हांगकांग / Hong Kong | 189 | -7.2 | -15.6 |
| सिंगापुर / Singapore | 178.9 | -3.9 | -7.6 |
| सऊदी अरब / Saudi Arabia | 119.7 | -1.5 | 0.6 |
| कोरिया / Korea | 102.9 | 2.6 | -21.3 |
| नॉर्वे / Norway | 100.7 | 11.9 | 20.7 |
| जर्मनी / Germany | 92 | -5.8 | -6.4 |
| बरमूडा / Bermuda | 81.5 | -2.5 | 12.7 |
| नीदरलैंड / Netherlands | 67.4 | -6.3 | -2.5 |
| ऑस्ट्रेलिया / Australia | 58.6 | 2.4 | 26.8 |
| मेक्सिको / Mexico | 58.6 | -1.5 | 30.5 |
| फिलिपींस / Philippines | 57.1 | -2.1 | 1.4 |
| इजराइल / Israel | 48.5 | -4.5 | 4.5 |
| कुवैट / Kuwait | 48.3 | 1.0 | -0.6 |
| संयुक्त अरब अमीरात / United Arab Emirates | 47.8 | -8.1 | -30.8 |
| स्वीडन / Sweden | 46 | 4.3 | 31.8 |
| थाईलैंड / Thailand | 46 | 11.1 | -25.4 |
| बहामा / Bahamas | 42.3 | -12.6 | -12.4 |
| वियतनाम / Vietnam | 40.8 | 2.8 | 81.3 |
| इराक / Iraq | 39.8 | 11.5 | 20.2 |
| इटली / Italy | 39.2 | 2.9 | -7.3 |
| चिली / Chile | 37.7 | -1.3 | -10.7 |
| कोलंबिया / Colombia | 36.9 | 2.5 | 48.2 |
| स्पेन / Spain | 36.9 | 3.7 | -14.2 |
| पोलैंड / Poland | 34 | -0.3 | -5.0 |
| पेरू / Peru | 32.1 | 3.5 | 14.6 |
| अन्य सभी / All Other | 439.1 | 3.3 | 5.4 |
| कुल योग / Grand Total | 7314.6 | 0.6 | -5.5 |
| जिसका कि / Of which | | | |
| For. Official | 3660 | 0.2 | -11.1 |
| ट्रेजरी बिल / Treasury Bills | 238.7 | 9.9 | -3.6 |
| टी-बॉन्ड और नोट्स / T-Bonds & Notes | 3421.2 | -0.4 | -11.6 |

टिप्पणी:

**1. 15 दिसंबर, 2022 को प्रकाशित डेटा**

**2. इस तालिका में डेटा मुख्य रूप से यू.एस.-आधारित संरक्षकों और ब्रोकर-डीलरों से एकत्र किए जाते हैं। चूंकि विदेशी हिरासत खातों में रखी गई यू.एस. प्रतिभूतियां वास्तविक मालिकों के लिए जिम्मेदार नहीं हो सकती हैं, इसलिए डेटा ट्रेजरी सिक्योरिटीज के व्यक्तिगत देश के स्वामित्व का सटीक लेखा प्रदान नहीं कर सकता है (TIC FAQ #7 यहां देखें: http://www.treasury.gov/resource-center/data-chart-center/tic/Pages/ticfaq1.aspx)**

**3. ट्रेजरी इंटरनेशनल कैपिटल (TIC) रिपोर्टिंग सिस्टम के तहत रिपोर्ट किए गए यूएस ट्रेजरी मार्केटेबल और नॉन-मार्केटेबल बिल, बॉन्ड और नोट्स की अनुमानित विदेशी होल्डिंग ट्रेजरी बॉन्ड और नोट्स की होल्डिंग पर मासिक डेटा पर आधारित है, जैसा कि TIC फॉर्म SLT, एग्रीगेट पर रिपोर्ट किया गया है। यू.एस. और विदेशी निवासियों द्वारा लंबी अवधि की प्रतिभूतियों की होल्डिंग और टीआईसी फॉर्म बीएल2 पर, विदेशी निवासियों के लिए ग्राहकों की यू.एस. डॉलर देनदारियों की रिपोर्ट।**

स्रोत: **अमेरिकी ट्रेजरी विभाग**

**Note**:

1. Data published on December 15, 2022
2. The data in this table are collected primarily from U.S.-based custodians and broker-dealers. Since U.S. securities held in overseas custody accounts may not be attributed to the actual owners, the data may not provide a precise accounting of individual country ownership of Treasury securities (see TIC FAQ #7 at: http://www.treasury.gov/resource-center/data-chart-center/tic/Pages/ticfaq1.aspx)
3. Estimated foreign holdings of U.S. Treasury marketable and non-marketable bills, bonds, and notes reported under the Treasury International Capital (TIC) reporting system are based on monthly data on holdings of Treasury bonds and notes as reported on TIC Form SLT, Aggregate Holdings of Long-Term Securities by U.S. and Foreign Residents and on TIC Form BL2, Report of Customers' U.S. Dollar Liabilities to Foreign Residents.

**Source**: U.S. Department of the Treasury

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभूति बाजार(सिक्यूरिटीज़)में हुई मुख्य-मुख्य गतिविधियाँ

**HIGHLIGHTS OF DEVELOPMENTS IN**

**INTERNATIONAL SECURITIES MARKET**

**प्रतिभूति आयोगों का अंतर्राष्ट्रीय संगठन (आईओएससीओ)**

**International Organisation of Securities Comissions (IOSCO)**

* + - 1. श्री फिलिप क्रिस्टेल, श्री टोमोयुकी फुरुसावा, सुश्री सैंड्रा पीटर्स और श्री मार्क स्मिथ 2023 में पब्लिक इंटरेस्ट ओवरसाइट बोर्ड (PIOB) में शामिल होंगे। साथ ही, सुश्री लिंडा डी बीयर और श्री रॉबर्ट बुकानन को 2023 में शुरू होने वाले एक और तीन साल के कार्यकाल के लिए पीआईओबी में फिर से नियुक्त किया जाएगा। पीआईओबी यह सुनिश्चित करने के लिए मानक-सेटिंग प्रस्ताव का स्वतंत्र निरीक्षण प्रदान करता है कि अंतर्राष्ट्रीय ऑडिट, आश्वासन, नैतिकता और स्वतंत्रता मानक जो सार्वजनिक हित के प्रति उत्तरदायी हैं और सार्वजनिक हित ढांचे के सिद्धांतों के अनुसार विकसित किए गए हैं।

Mr. Philippe Christelle, Mr. Tomoyuki Furusawa, Ms. Sandra Peters and Mr. Mark Smith will be joining the Public Interest Oversight Board (PIOB) in 2023. Also, Ms. Linda de Beer and Mr. Robert Buchanan were reappointed to the PIOB for another three-year term commencing in 2023. The PIOB provides independent oversight of the standard- setting propose to ensure that international audit, assurance, ethics and independence standards are responsive to the public interest and developed in accordance with principles of the Public Interest Framework.

* + - 1. आईओएससीओ ने निवेश निधि सांख्यिकी रिपोर्ट (IFSR) का दूसरा संस्करण प्रकाशित किया जो वैश्विक निवेश कोष उद्योग में नई अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। इसका उद्देश्य निवेश फंड डेटा के संग्रह और विश्लेषण को सुगम बनाना है, जिससे नियामकों और हितधारकों को जानकारी साझा करने और वैश्विक निवेश फंड क्षेत्र में रुझानों का निरीक्षण करने में मदद मिलती है। रिपोर्ट पहली बार ओपन-एंडेड फंड और क्लोज-एंडेड फंड के रुझान के बारे में विश्लेषण प्रदान करती है।

IOSCO published the second edition of the Investment Funds Statistics Report (IFSR) which provides new insights into the global investment fund industry. It aims to facilitate the collection and analysis of investment fund data, enabling regulators and stakeholders to share information and observe trends in the global investment funds sector. The report provides for the first time an analysis regarding the trends in open-ended funds and closed-ended funds.

* + - 1. आईओएससीओ ने कमोडिटी डेरिवेटिव्स मार्केट्स के विनियमन और पर्यवेक्षण के सिद्धांतों को संशोधित किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ये सिद्धांत कमोडिटी डेरिवेटिव्स बाजारों के विनियमन और निरीक्षण के लिए एक लचीला ढांचा प्रदान करना जारी रखते हैं। ये सिद्धांत मूलभूत मूल्य खोज, निगरानी, ​​पारदर्शिता और भौतिक बाजार के साथ सहसंबंध पर ध्यान केंद्रित करके प्रणाली को मजबूत करेंगे। यह अस्त-व्यस्त IOSCO revised the Principles for the Regulation and Supervision of Commodity Derivatives Markets with an aim to ensure that these Principles continue to provide a resilient framework

बाजार को भी संबोधित करता है, बाजार के दुरुपयोग का जवाब देता है और एंड-यूज़र व्यवहारों के खिलाफ व्यापारिक स्थानों की प्रवर्तन शक्तियों को मजबूत करता है।

for the regulation and oversight of the commodity derivatives markets. These principles would strengthen system by focusing on fundamental price discovery, surveillance, transparency and correlation with physical market. It also addressing disorderly market, responding to market abuse and strengthening the enforcement powers of trading venues against end-user behaviours.

**सिंगापुर का मौद्रिक प्राधिकरण (एमएएस)**

**Monetary Authority of Singapore (MAS)**

एमएएस ने स्वतंत्र निदेशकों के लिए नौ साल की अवधि की सीमा और प्रत्येक व्यक्तिगत निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पारिश्रमिक का अनिवार्य खुलासा करने के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन की अपनी संहिता में संशोधन किया। एमएएस रियल एस्टेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट (आरआईईटी) प्रबंधकों के लिए अनिवार्य रूप से निदेशकों और सीईओ के पारिश्रमिक की रिपोर्ट करने के लिए प्रकटीकरण आवश्यकताओं में संशोधन करेगा।

MAS amended its Code of Corporate Governance to introduce a nine-year tenure limit for independent directors and mandatory disclosure of remuneration of each individual director and chief executive officer. MAS will also amend the disclosure requirements for Real Estate Investment Trust (RIET) managers to mandatorily require them to report the remuneration of directors and CEOs

**प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी)**

**Securities and Exchange Commission (SEC)**

* + - 1. एसईसी ने तीन अलग-अलग मामलों में व्हिसल ब्लोअर को एसईसी प्रवर्तन कार्यों में उनकी सहायता और विस्तृत और महत्वपूर्ण जानकारी के प्रावधान के लिए लगभ $51 मिलियन का पुरस्कार दिया। व्हिसल-ब्लोअर्स को भुगतान कांग्रेस द्वारा स्थापित एक निवेशक सुरक्षा कोष से किया जाता है, जो पूरी तरह से प्रतिभूति कानून उल्लंघनकर्ताओं द्वारा SEC को भुगतान किए गए मौद्रिक प्रतिबंधों के माध्यम से वित्तपोषित होता है। व्हिसल ब्लोअर पुरस्कार का भुगतान करने के लिए नुकसान पहुँचाए गए निवेशकों से कोई पैसा नहीं लिया गया है या वापस नहीं लिया गया है। व्हिसिल ब्लोअर एक पुरस्कार के पात्र हो सकते हैं जब वे स्वेच्छा से एसईसी को मूल, समय पर और विश्वसनीय जानकारी प्रदान करते हैं जो एक सफल प्रवर्तन कार्रवाई की ओर ले जाती है।

In three separate cases, SEC awarded a total of about $51 million to whistle blowers for their assistance in the SEC enforcement actions and provision of detailed and significant information. Payments to whistle-blowers are made out of an investor protection fund, established by Congress, which is financed entirely through monetary sanctions paid to the SEC by securities law violators. No money has been taken or withheld from harmed investors to pay whistle-blower awards. Whistle-blowers may be eligible for an award when they voluntarily provide the SEC with original, timely, and credible information that leads to a successful enforcement action. Whistle-blower awards can range from 10 to 30 percent of

जब मौद्रिक प्रतिबंध $1 मिलियन से अधिक हो जाते हैं तो व्हिसल ब्लोअर पुरस्कार एकत्रित धन के 10 से 30 प्रतिशत तक हो सकते हैं।

the money collected when the monetary sanctions exceed $1 million.

* + - 1. एसईसी ने संपत्ति समर्थित प्रतिभूतियों (ABS) की बिक्री को रोकने के लिए एक नियम प्रस्तावित किया जो संपत्ति के भौतिक संघर्ष से दूषित हैं। यह नियम प्रतिभूतिकरण प्रतिभागियों को कुछ लेन-देन में शामिल होने से प्रतिबंधित करेगा जो एक प्रतिभूतिकरण भागीदार को एबीएस की संरचना के लिए प्रोत्साहित कर सकता है जो एबीएस निवेशकों के हितों के आगे प्रतिभूतिकरण भागीदार के हितों को रखेगा। प्रस्तावित नियम जोखिम-कम करने वाली हेजिंग गतिविधियों, वास्तविक बाजार-निर्माण गतिविधियों और प्रासंगिक एबीएस के लिए तरलता प्रदान करने के लिए प्रतिभूतिकरण भागीदार द्वारा कुछ प्रतिबद्धताओं के लिए कुछ अपवाद भी प्रदान करेगा। प्रस्तावित अपवाद ऐसी गतिविधियों की विशेषताओं को सट्टा व्यापार से अलग करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। प्रस्तावित अपवाद वर्तमान चलनिधि प्रतिबद्धता, बाजार-निर्माण और तुलन पत्र प्रबंधन गतिविधियों को बाधित करने से बचने की भी कोशिश करेंगे।

SEC proposed a rule to prevent the sale of asset backed securities (ABS) that are tainted by material conflict of assets. The rule would prohibit securitization participants from engaging in certain transactions that could incentivize a securitization participant to structure an ABS in a way that would put the securitization participant's interests ahead of those of ABS investors. The proposed rule would also provide certain exceptions for risk-mitigating hedging activities, bona fide market-making activities and certain commitments by a securitization participant to provide liquidity for the relevant ABS. The proposed exceptions would focus on distinguishing the characteristics of such activities from speculative trading. The proposed exceptions would also seek to avoid disrupting current liquidity commitment, market-making, and balance sheet management activities.

* + - 1. एसईसी ने कर्मियों द्वारा प्रतिभूतियों के व्यापार को नियंत्रित करने वाले नैतिकता नियमों को अद्यतन करने के लिए संशोधन प्रस्तावित किए। वर्तमान में, एसईसी कर्मचारियों को प्रतिभूतियों के लेन-देन को पूर्व-स्पष्ट करना और न्यूनतम धारण अवधि का अनुपालन करना आवश्यक है। सभी कर्मचारियों को, अन्य बातों के अलावा, उन कंपनियों की प्रतिभूतियों में लेन-देन करने से प्रतिबंधित किया गया है, जिनकी एजेंसी जांच कर रही है, शॉर्ट सेलिंग में संलग्न है, डेरिवेटिव में लेन-देन कर रही है, सात कैलेंडर दिनों के लिए आरंभिक सार्वजनिक पेशकशों में भाग ले रही है, या प्रतिभूतियों को मार्जिन पर खरीद या ले जा रही है। संशोधन का प्रस्ताव है :
  1. कर्मचारियों को वित्तीय उद्योग क्षेत्र के फंड में निवेश करने से प्रतिबंधित करने के लिए मौजूदा प्रतिबंधित होल्डिंग प्रतिबंधों का विस्तार करें

SEC proposed amendments to update the ethics rules governing securities trading by personnel. Currently, SEC employees are required to preclear securities transactions and comply with minimum holding periods. All employees are prohibited from, among other things, transacting in securities of companies the agency is investigating, engaging in short selling, transacting in derivatives, participating in initial public offerings for seven calendar days, or purchasing or carrying securities on margin. The amendment proposes to

1. Expand the existing prohibited holdings restrictions to ban employees from investing in financial industry sector funds;
2. Authorize the SEC to collect data on employees’ covered securities स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली के माध्यम से सीधे वित्तीय संस्थानों से कर्मचारियों के कवर किए गए प्रतिभूतियों के लेनदेन और होल्डिंग्स पर डेटा एकत्र करने के लिए एसईसी को अधिकृत करें; और

डायवर्सिफाइड म्युचुअल फंड को पूरक नैतिकता नियम की आवश्यकताओं से छूट दें, यह देखते हुए कि वे आम तौर पर हितों के टकराव, व्यक्तिगत लाभ के लिए गैर-सार्वजनिक जानकारी के दुरुपयोग, या दिखावे की समस्याओं का कम जोखिम रखते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के अलावा किसी विशेष क्षेत्र, उद्योग, व्यवसाय, राज्य या देश में निवेश केंद्रित करने वाले म्युचुअल फंड नियमों के अधीन रहेंगे।

transactions and holdings directly from financial institutions through an automated electronic system; and

1. Exempt diversified mutual funds from the Supplemental Ethics Rule’s requirements, given that they generally pose a low risk of conflicts of interest, misuse of non-public information for personal gain, or appearance problems. Mutual funds that concentrate investments in a particular sector, industry, business, state, or country other than the United States would remain subject to the rules.

**वित्तीय आचार प्राधिकरण (एफसीए)**

**Financial Conduct Authority (FCA)**

एफसीए ने मनी लॉन्ड्रिंग रोधी उपायों में विफलताओं के लिए गारंटी ट्रस्ट बैंक यूके लिमिटेड पर मनी लॉन्ड्रिंग रोधी उपायों में विफलताओं के लिए £ 7.7 मिलियन का जुर्माना लगाया। अक्टूबर 2014 और जुलाई 2019 के बीच, बैंक ग्राहक जोखिम मूल्यांकन करने में विफल रहा, अक्सर अपने ग्राहकों द्वारा उत्पन्न मनी लॉन्ड्रिंग जोखिमों का आकलन या दस्तावेजीकरण नहीं करता था। बैंक आवश्यक मानक के अनुसार उपभोक्ता लेनदेन और व्यावसायिक संबंधों की निगरानी करने में भी विफल रहा। बैंक का आचरण विशेष रूप से आक्रामक है क्योंकि यह पहली बार नहीं है कि बैंक ने अपने एएमएल नियंत्रणों के संबंध में प्रवर्तन कार्रवाई का सामना किया है, गंभीर और प्रणालीगत विफलताओं के लिए अगस्त 2013 में जीटी बैंक पर 525,000 पाउंड का एफसीए जुर्माना लगाया गया है। बैंक ने एफसीए के निष्कर्षों पर विवाद नहीं किया और समझौता करने के लिए सहमत हो गया, जिसका अर्थ है कि वह 30 प्रतिशत छूट के लिए योग्य है। इस छूट के बिना, वित्तीय दंड 11 मिलियन पाउंड होता।

FCA fined Guaranty Trust Bank UK Limited for failures in anti-money laundering measures. The penalty amounted to £ 7.7 million. Between October 2014 and July 2019, the bank failed to undertake customer risk assessments, often not assessing or documenting the money laundering risks posed by its customers. The bank also failed to monitor consumer transaction and business relationship to required standard. The bank’s conduct is particularly egregious as this is not the first time that the bank has faced enforcement action in relation to its AML controls, with the FCA fining GT Bank £525,000 in August 2013 for serious and systemic failings. The bank did not dispute the FCA’s findings and agreed to settle, which means it has qualified for a 30 per cent discount. Without this discount, the financial penalty would have been £ 11 million.

1. मनी लॉन्ड्रिंग रोधी उपायों में विफलताओं के लिए एफसीए ने गारंटी ट्रस्ट बैंक यूके लिमिटेड पर जुर्माना लगाया। जुर्माना £ 7.7 मिलियन था। बैंक अक्टूबर 2014 और जुलाई 2019 के बीच ग्राहक जोखिम मूल्यांकन करने में विफल रहा। यह अक्सर अपने ग्राहकों द्वारा उत्पन्न मनी लॉन्ड्रिंग जोखिमों का आकलन या दस्तावेजीकरण नहीं करता था। बैंक आवश्यक मानक के अनुसार उपभोक्ता लेनदेन और व्यावसायिक संबंधों की निगरानी करने में भी विफल रहा। बैंक का आचरण विशेष रूप से आक्रामक है क्योंकि यह पहली बार नहीं है कि बैंक ने अपने एएमएल नियंत्रणों के संबंध में प्रवर्तन कार्रवाई का सामना किया है, गंभीर और प्रणालीगत विफलताओं के लिए अगस्त 2013 में जीटी बैंक पर 525,000 पाउंड का एफसीए जुर्माना लगाया गया है। बैंक ने एफसीए के निष्कर्षों पर विवाद नहीं किया और समझौता करने के लिए सहमत हो गया, जिसका अर्थ है कि वह 30 प्रतिशत छूट के लिए योग्य है। इस छूट के बिना, वित्तीय दंड 11 मिलियन पाउंड होता।

FCA penalised Al Rayan Bank PLC £ 4 million for failing to put in place adequate anti money laundering controls. Between April 01, 2015 and November 30, 2017, Al Rayan allowed money to pass through the bank and be used within the UK without carrying out appropriate checks. The firm failed to adequately check its customers’ Source of Wealth and Source of Funds when it was required to make sure the money was not connected to financial crime. The failings were made worse by the lack of proper training provided to staff about how to handle large deposits, which further heightened the risk of money laundering and financial crime. Al Rayan was aware of these weaknesses and failed to implement effective changes to fix them, despite the FCA raising concerns about the inadequacies of their systems. Al Rayan did not dispute the FCA’s findings and agreed to settle, which meant it qualified for a 30 per cent discount. The FCA would have imposed a financial penalty of £ 5.7 million if a settlement was not reached.

भारतीय प्रतिभूति बाजार के संबंध में उठाए गए नीतिगत कदम

**POLICY DEVELOPMENTS IN INDIAN SECURITIES MARKET**

* + - 1. **सीमित विश्राम - वित्तीय विवरणों की भौतिक कागजी प्रति का प्रेषण, आदि - सेबी के विनियमन 58 (लिस्टिंग दायित्वों और प्रकटीकरण आवश्यकताओं) विनियम, 2015**

मई 2020 में, सेबी ने कारपोरेट कार्य मंत्रालय (एम सी ए) द्वारा दी गई छूट के अनुसार, डिबेंचर धारकों को वार्षिक रिपोर्ट की कागजी प्रति के प्रेषण से संबंधित सूची नियमों के कुछ प्रावधानों में ढील दी थी। इसके बाद, सेबी ने 31 दिसंबर, 2022 तक ढील दी थी। हाल ही में, एम सी ए ने 30 सितंबर, 2023 तक वित्तीय विवरणों की कागजी प्रतियों को भेजने में छूट को और बढ़ा दिया । इस पर विचार करते हुए, सेबी ने भी 30 सितंबर 2023 छूट दी है।

**Limited relaxation – dispatch of physical copies of financial statements, etc. – Regulation 58 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015**

In May 2020, SEBI had relaxed certain provisions of Listing Regulations related to dispatch of hard copy of Annual Report to debenture holders, pursuant to relaxations granted by the Ministry of Corporate Affairs (MCA). Thereafter, SEBI extended the relaxations till December 31, 2022. Recently, the MCA has further extended the relaxation of dispatching of physical copies of financial statements due in 2023 till 30 September, 2023. Considering this, SEBI has also extended the relaxation to September 30, 2023.

*Source: SEBI/HO/DDHS/DDHS-RACPOD1/P/CIR/2023/001 dated January 05, 2023*

* + - 1. **डिपॉजिटरी द्वारा होस्ट की गई 'सुरक्षा और अनुबंध निगरानी' प्रणाली से संबंधित आवश्यकताओं के अनुपालन की निगरानी और आवधिक रिपोर्टिंग**

सेबी ने डिस्ट्रीब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी (डी. एल. टी.) का उपयोग करके 'सुरक्षा और अनुबंध निगरानी' के लिए जारीकर्ताओं द्वारा शुल्कों की रिकॉर्डिंग के तरीके और निगरानी के तरीके और हितधारकों की अन्य जिम्मेदारियों को निर्दिष्ट किया है। इसके अलावा, मार्च 2022 में, डीएलटी का उपयोग करने वाली उक्त प्रणाली के परिचालन दिशानिर्देश, जिसमें शामिल विभिन्न हितधारकों की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां शामिल थीं, को निर्दिष्ट किया गया था। सेबी ने अब निर्दिष्ट किया है कि डिपॉजिटरी "सुरक्षा और अनुबंध निगरानी प्रणाली" की आवश्यकताओं के साथ आवधिक निगरानी सुनिश्चित करेंगे और

**Monitoring and Periodical reporting of the compliance with the requirements pertaining to ‘Security and Covenant Monitoring’ system hosted by Depositories)**

SEBI has specified the manner of recording of charges by issuers and manner of monitoring and other responsibilities of stakeholders for ‘Security and Covenant Monitoring’ using Distributed Ledger Technology (DLT). Further, in March 2022, the operating guidelines of the said system using DLT, including roles and

तिमाही के अंत से एक महीने के भीतर तिमाही आधार पर सेबी के गैर-अनुपालन के किसी भी उदाहरण को भी लाएंगे।

responsibilities of various stakeholders involved, were specified. SEBI now specified that the depositories shall ensure periodic monitoring regarding compliance with the requirements of “Security & Covenant Monitoring System’ and shall also bring to the notice of SEBI any instances of non-compliance on a quarterly basis, not later than one month from the end of the quarter.

*Source: SEBI/HO/DDHS/RACPOD1/CIR/P/2023/0002 dated January 05, 2022*

1. **डिपॉजिटरी द्वारा होस्ट की गई 'सुरक्षा और अनुबंध निगरानी' प्रणाली में मौजूदा बकाया गैर-परिवर्तनीय प्रतिभूतियों के विवरण दर्ज करने और सत्यापन के लिए समयसीमा का विस्तार**

अगस्त 2021 में, सेबी ने डिस्ट्रीब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी (डीएलटी) का उपयोग करके 'सुरक्षा और अनुबंध निगरानी' के लिए जारीकर्ताओं द्वारा शुल्कों की रिकॉर्डिंग के तरीके और निगरानी के तरीके और हितधारकों की अन्य जिम्मेदारियों को निर्दिष्ट किया। इसके अलावा, मार्च 2022 में, डीएलटी का उपयोग करने वाली उक्त प्रणाली के परिचालन दिशानिर्देश, जिसमें शामिल विभिन्न हितधारकों की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां शामिल थीं, को निर्दिष्ट किया गया था। जारीकर्ताओं द्वारा मौजूदा बकाया गैर-परिवर्तनीय प्रतिभूतियों से संबंधित लीगेसी डेटा दर्ज करने की नवीनतम समय सीमा 31 अक्टूबर, 2022 को या उससे पहले निर्धारित की गई थी और डिबेंचर ट्रस्टीज़ (डीटी) को 31 दिसंबर, 2022 से पहले इसे सत्यापित करना था। डीटी के अनुरोध पर परिचालन/तकनीकी कठिनाइयों का हवाला देते हुए समय-सीमा का विस्तार करने के लिए, समय-सीमा को क्रमशः 31 जनवरी, 2023 और 28 फरवरी, 2023 तक बढ़ा दिया गया था।

**Extension of timelines for entering and verification of the details of the existing outstanding non-convertible securities in the ‘Security and Covenant Monitoring’ system hosted by Depositories**

In August 2021, SEBI specified the manner of recording of charges by issuers and manner of monitoring and other responsibilities of stakeholders for ‘Security and Covenant Monitoring’ using Distributed Ledger Technology (DLT). Further, in March 2022, the operating guidelines of the said system using DLT, including roles and responsibilities of various stakeholders involved, were specified. The latest deadline for entering the legacy data relating to existing outstanding non-convertible securities by the issuers was set as on or before October 31, 2022 and Debenture Trustees (DTs) had to verify the same before December 31, 2022. Upon requests from DTs to extend the timeline citing operational/ technical difficulties, the deadlines were further extended to January 31, 2023 and February 28, 2023, respectively. *Source: SEBI/HO/DDHS/RACPOD1/CIR/P/2023/003 dated January 05, 2023*

1. **सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के कुछ प्रावधानों के अनुपालन से छूट**

मई 2020 में, सेबी ने लिस्टिंग दायित्वों और प्रकटीकरण आवश्यकताओं विनियम, 2015 ('एल ओ डी आर विनियम') के कुछ प्रावधानों में ढील दी थी, जो कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 136 में निर्दिष्ट दस्तावेजों की कागजी प्रति उन शेयरधारकों को भेजने के लिए निर्धारित करता है जिन्होंने अपना ईमेल पता पंजीकृत नहीं किया है। सेबी ने शुरुआत में 31 दिसंबर, 2021 तक और बाद में 31 दिसंबर, 2022 तक छूट दी थी। हाल ही में, एमसीए ने 30 सितंबर, 2023 तक आयोजित वार्षिक आम बैठकों के लिए शेयरधारकों को वित्तीय विवरणों की कागजी प्रति भेजने से कंपनियों को इसी तरह की छूट प्रदान की है। इसे देखते हुए सेबी ने छूट को 30 सितंबर, 2023 तक के लिए और बढ़ा दिया है।

**Relaxation from compliance with certain provisions of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015**

In May 2020, SEBI had relaxed certain provisions of Listing Obligations and Disclosure Requirements Regulations, 2015 (‘LODR Regulations’) that prescribes dispatching hard copy of documents as specified in Section 136 of Companies Act 2013 to shareholders who have not registered their email address. SEBI had extended the relaxation initially till December 31, 2021 and subsequently till December 31, 2022. Recently, MCA has provided similar relaxations to companies from dispatching physical copies of the financial statements to the shareholders for the annual general meetings conducted till 30 September, 2023. Considering this, SEBI has further extended the relaxation till September 30, 2023.

*Source: SEBI/HO/CFD/PoD-2/P/CIR/2023/4 dated January 05, 2023*

1. **आस्ति प्रबंध कंपनी (ए एम सी) द्वारा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के लिए प्रबंधन और सलाहकार सेवाएं**

2019 में, आस्ति प्रबंध कंपनी (ए एम सी) को अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्रों (आई एफ एस सी) से संचालित और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण(आई एफ एस सी ए) द्वारा विनियमित विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों(एफ पी आई) की कुछ श्रेणियों को प्रबंधन और सलाहकार सेवाएँ प्रदान करने की अनुमति दी गई थी। अब, सेबी ने ए एम सी को आई एफ एस सी से संचालित और आई एफ एस सी ए द्वारा विनियमित सभी एफ पी आई को प्रबंधन और सलाहकार सेवाएं प्रदान करने की अनुमति देने का फैसला किया है, बशर्ते कि ऐसे एफपीआई "थीमैटिक योजनाओं" के अलावा

**Management and advisory services by AMCs to Foreign Portfolio Investors**

In 2019, Asset Management Companies (AMC) were allowed to provide management and advisory services to certain categories of Foreign Portfolio Investors (FPI) operating from International Financial Services Centres

म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेश करें और इक्विटी में एफ पी आई के निवेश के लिए और इक्विटी डेरिवेटिव प्रतिभूतियां, एफ पी आई ऐ सी प्रतिभूतियों की खरीद या बिक्री की तारीख से छह महीने की अवधि के लिए कॉन्ट्रा पोजीशन नहीं लेगा।

(IFSC) and regulated by International Financial Services Centres Authority (IFSCA). Now, SEBI has decided to let AMCs to provide management and advisory services to all FPIs operating from IFSC and regulated by IFSCA subject to the conditions that such FPIs shall invest in mutual fund schemes other than “Thematic schemes” and for the FPI’s investment in equity and equity derivative securities, the FPI shall not take contra-position for a period of six months from the date of purchase or sale of such securities.

*Source: SEBI/HO/IMD/IMD-POD1/P/CIR/2023/005 dated January 06, 2023*

1. **क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के लिए परिचालन परिपत्र**

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (साख निर्धारण एजेंसी) विनियम, 1999 साख निर्धारण एजेंसी के सामान्य दायित्वों, निरीक्षण और जांच के तरीके और साख निर्धारण एजेंसी पर लागू आचार संहिता के पंजीकरण के लिए दिशानिर्देश निर्धारित करता है। कई परिपत्र जारी किए गए हैं, वर्षों से, परिचालन और प्रक्रियात्मक पहलुओं को कवर करते हुए। उद्योग और अन्य उपयोगकर्ताओं को एक स्थान पर सभी लागू परिपत्रों/ दिशाओं तक पहुंचने में सक्षम बनाने के लिए, 31 दिसंबर, 2022 को सभी मौजूदा परिपत्र, परिणामी परिवर्तनों के साथ, साख निर्धारण एजेंसी के लिए एक परिचालन परिपत्र में संकलित किया गया है, जो 01 फरवरी, 2023 से प्रभावी होगी।

**Operational Circular for Credit Rating Agencies**

Securities and Exchange Board of India (Credit Rating Agencies) Regulations, 1999 prescribes guidelines for registration of Credit Rating Agencies (CRAs), general obligations of CRAs, manner of inspection and investigation and code of conduct applicable on CRAs. Multiple circulars have been issued, over the years, covering the operational and procedural aspects thereof. In order to enable the industry and other users to have access to all the applicable circulars/ directions at one place, all existing circulars as on December 31st ,2022, with consequential changes, have been compiled into an Operational Circular for CRAs, which shall come into effect from February 01, 2023.

*Source: SEBI/HO/DDHS/DDHS-RACPOD2/P/CIR/2023/6 dated January 06, 2023*

1. **स्टॉक एक्सचेंज अनुपयोग काल को संभालने और ट्रेडिंग घंटों के विस्तार के लिए मानक संचालन प्रक्रिया**

स्टॉक एक्सचेंजों में प्रतिभूति व्यापार के लिए एक पूर्वनिर्धारित व्यापार पटल है। स्टॉक एक्सचें`ज पर निरंतर ट्रेडिंग में कोई व्यवधान बाजार सहभागियों के लिए निराशा का कारण बनता है क्योंकि वे अपनी इंट्राडे स्थिति को बंद नहीं कर सकते हैं। इसलिए, सेबी एक मानक प्रचालन प्रक्रिया के साथ आया ताकि स्टॉक एक्सचेंजों में अनुपयोग काल को एक सुसंगत मामले में संभाला जा सके। अनुपयोग काल के समय, पीड़ित स्टॉक एक्सचेंज को अन्य बाजार की बुनियादी संस्थाएँ और सेबी सहित सभी हितधारकों को इसकी सूचना देनी होगी। मानक प्रचालन प्रक्रिया सामान्य व्यापार पटल के बाद विस्तारित व्यापार पटल के लिए प्रावधान भी करता है।

**Standard Operating Procedure for handling of Stock Exchange Outage and extension of trading hours thereof**

Stock Exchanges have a predefined trading window for securities trading. Any disruption in continuous trading on stock exchange causes despair for market participants as they cannot square off their intraday positions. Hence, SEBI came up with SOP so that outage at Stock Exchanges are handled in a harmonized and consistent matter. In case of an outage, the suffering Stock Exchange has to inform the same to all stakeholders, including other Market Infrastructure Institutions (MIIs) and SEBI. The SOP also lays down provision for extended trading window beyond the normal trading hours.

*Source: SEBI/HO/MRD/MRD-TPD-1/CIR/P/2023/7 dated January 09, 2023*

1. **रिक्वेस्ट फॉर कोट (RFQ) प्लेटफॉर्म पर निष्पादित ट्रेडों के लिए निपटान का तरीका**

वर्तमान समय में, स्टॉक एक्सचेंज रीयल-टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आर टी जी एस) चैनल का उपयोग बोली के लिए अनुरोध (आर एफ क्यू) प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध कॉरपोरेट बॉन्ड, वाणिज्यिक पत्र और प्रतिभूतिकृत ऋण उपकरणों के संबंध में निष्पादित व्यापार के लिए निपटान के एक तरीके के रूप में कर रहे हैं। स्टॉक एक्सचेंजों और बाजार सहभागियों ने स्पष्टीकरण मांगा है कि क्या बैंकों/पेमेंट एग्रीगेटर्स द्वारा प्रदान किए गए आर टी जी एस के अलावा भुगतान तंत्र को आरएफक्यू प्लेटफॉर्म पर निष्पादित ट्रेडों के निपटान के लिए अनुमति दी जा सकती है। तदनुसार, सेबी ने स्पष्ट किया कि, मौजूदा भुगतान तंत्र के अलावा, समय-समय पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अधिकृत बैंकों / भुगतान एग्रीगेटर्स द्वारा प्रदान किए गए भुगतान तंत्र का उपयोग आर एफ क्यू प्लेटफॉर्म पर निष्पादित ट्रेडों के निपटान के लिए किया जा सकता है।

**Mode of settlement for trades executed on the Request for Quote (RFQ) platform**

As a matter of practice, presently, Stock Exchanges are using Real-Time Gross Settlement (RTGS) channel as a mode of settlement for trades executed on the RFQ platform with respect to listed corporate bonds, commercial paper, and securitised debt instruments. Stock Exchanges and market participants have sought clarification as to whether payment mechanisms other than RTGS provided by banks/payment aggregators can be permitted for settlement of trades executed on the RFQ platform. Accordingly, SEBI clarified that, in addition to the existing payment mechanisms, payment mechanisms provided by banks/payment aggregators authorised by Reserve Bank of India, from time to time, may be used for settlement of trades executed on the RFQ platform. *Source: SEBI/HO/DDHS/DDHS-RACPOD1/P/CIR/2023/9 dated January 09, 2023*

1. **सह-निवेश सेवाएं प्रदान करने वाले पोर्टफोलियो प्रबंधकों के नियंत्रण में बदलाव**

सेबी (पोर्टफोलियो प्रबंधक) विनियम, 2020 में नियंत्रण में परिवर्तन के मामले में पोर्टफोलियो प्रबंधक को सेबी की पूर्व स्वीकृति प्राप्त करने की आवश्यकता है। अब सेबी द्वारा पूर्व अनुमोदन प्रदान करने के क्रम में, बदले हुए प्रबंधन के साथ जारी रखने या पुराने प्रबंधन के साथ जारी रखें। साथ हीअच्छी तरह से सूचित निर्णय लेने के लिए, पोर्टफोलियो प्रबंधक अपने मौजूदा निवेशकों/ग्राहकों को प्रस्तावित परिवर्तन के प्रभाव से पहले सूचित करेगा और बिना किसी निकास भार के विकल्प का विस्तार करेगा।

**Change in control of Portfolio Managers providing Co-investment services**

SEBI (Portfolio Managers) Regulations, 2020 requires a Portfolio Manager to obtain prior approval of SEBI in case of change in control. Now pursuant to grant of prior approval by SEBI, in order to enable well informed decision regarding the continuance or otherwise with the changed management, the Portfolio Manager shall inform its existing investors/ clients about the proposed change prior to effecting the same and shall extend exit option without any exit load.

*Source: SEBI/HO/IMD/IMD-PoD-1/P/CIR/2023/8 dated January 10, 2023*

1. **स्टॉक एक्सचेंज तंत्र के माध्यम से शेयरों की बिक्री की पेशकश (विक्रय के लिए प्रस्ताव) पर व्यापक ढांचा**

विभिन्न बाजार सहभागियों से प्राप्त प्रतिक्रिया, बाजार की बुनियादी संस्थाएँके साथ विचार-विमर्श और सेबी की द्वितीयक बाजार सलाहकार समिति (एसएमएसी) में विचार-विमर्श के बाद मौजूदा बिक्री प्रस्ताव ढांचे में कुछ प्रावधानों में संशोधन किया गया और एक व्यापक ढांचा जारी किया गया। नया ढांचा पहले के सेबी परिपत्रों के माध्यम से निर्धारित मौजूदा प्रावधानों को रद्द कर देता है।

**Comprehensive Framework on Offer for Sale (OFS) of Shares through Stock Exchange Mechanism**

Based on feedback received from various market participants, discussions with the MIIS and deliberations in Secondary Market Advisory Committee (SMAC) of SEBI, certain provisions in existing Offer for Sale (OFS) framework through Stock Exchange Mechanism were amended and a comprehensive framework was released. The new framework rescinds the existing provisions laid down through earlier SEBI circulars.

*Source: SEBI/HO/MRD/MRD-PoD-3/P/CIR/2023/10 dated January 10, 2023*

1. **कॉर्पोरेट बांड सूचकांकों पर भविष्य के अनुबंधों की शुरूआत**

बांड बाजार में तरलता बढ़ाने और निवेशकों को अपनी स्थिति को हेज करने का अवसर प्रदान करने के लिए, सेबी ने 'बॉन्ड इंडेक्स पर डेरिवेटिव्स' के मामले पर सिफारिशें करने के लिए एक कार्यदल बनाया। कार्यकारी समूह द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण और सेबी की द्वितीयक बाजार सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर, स्टॉक एक्सचेंजों को AA+ और उससे ऊपर के कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियों के सूचकांकों पर डेरिवेटिव अनुबंध शुरू करने की अनुमति दी गई है। प्रारंभ में, स्टॉक एक्सचेंजों को कॉरपोरेट बॉन्ड सूचकांकों पर वायदा अनुबंध शुरू करने की अनुमति दी गई है।

**Introduction of future contracts on Corporate Bond Indices**

To enhance liquidity in the bond market and to provide opportunity to the investors to hedge their positions, SEBI made a working group to make recommendations on the matter of ‘Derivatives on Bond Indices’. Based on the submissions made by the working group and recommendations of Secondary Market Advisory Committee(SMAC) of SEBI, Stock Exchanges have been permitted to introduce derivative contracts on indices of corporate debt securities rated AA+ and above. To start with, the stock exchanges have been permitted to launch futures contracts on corporate bond indices.

*Source: SEBI/HO/MRD/MRD-PoD-3/P/CIR/2023/11 dated January 10, 2023*

1. **स्टॉक एक्सचेंजों को कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में एक ही कमोडिटी पर कई कॉन्ट्रैक्ट लॉन्च करने की अनुमति देना**

एक बाजार नियामक के रूप में, सेबी का यह निरंतर प्रयास रहा है कि ऐसी नीतियां बनाई जाएं जो कमोडिटी व्युत्पन्नी बाजार में व्यापक निवेशक भागीदारी को प्रोत्साहित करती हैं। स्टॉक एक्सचेंजों के अनुसार, सोने, चांदी और कीमती धातुओं को छोड़कर किसी विशेष वस्तु पर एकल अनुबंध की आवश्यकता ने धातु अनुबंधों में निवेशकों की भागीदारी को बाधित किया है। इसलिए, स्टॉक एक्सचेंजों ने सभी मूल्य श्रृंखला प्रतिभागियों को पूरा करने के लिए एक ही वस्तु पर कई अनुबंध शुरू करने की इच्छा व्यक्त की है। तदनुसार, कमोडिटी व्युत्पन्नी सलाहकार समिति में विचार-विमर्श के बाद, सेबी ने फैसला किया है कि स्टॉक एक्सचेंजों को एक ही कमोडिटी में कई अनुबंध लॉन्च करने की अनुमति दी जा सकती है।

**Allowing stock exchanges to launch multiple contracts on the same commodity in commodity derivatives segment**

As a market regulator, it has been SEBI’s constant endeavour to frame policies that encourage broader investor participation in commodity derivatives market. As per Stock Exchanges, requirement of a single contract on a particular commodity, except for gold, silver and precious metals, has deterred investors’ participation in metal contracts. Hence, stock Exchanges have expressed their desire to launch multiple contracts on same commodity to cater to all value chain participants. Accordingly, after deliberations in the commodity Derivatives Advisory committee, SEBI has decided that Stock Exchanges may be allowed to launch multiple contracts in same commodity.

*Source: SEBI/HO/MRD/MRD-POD-1/P/CIR/2023/12 dated January 11, 2023*

1. **आरईआईटी के यूनिट धारकों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या अन्य ऑडियो-विजुअल माध्यमों से बैठक आयोजित करने की सुविधा**

सेबी (रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट) विनियम, 2014 के अनुसार सभी यूनिट धारकों की वार्षिक बैठक वित्तीय वर्ष के अंत से एक सौ बीस दिनों में वर्ष में कम से कम एक बार आयोजित की जाएगी और दो बैठकों के बीच का समय पंद्रह से अधिक नहीं होगा। आर ई आ ईटी के प्रबंधकों को भी कुछ विशिष्ट मामलों के लिए यूनिट धारकों की बैठकें आयोजित करने की आवश्यकता होती है। आरईआईटी के प्रबंधकों ने सेबी से अनुरोध किया है कि उन्हें वर्चुअल मोड के माध्यम से यूनिट धारकों की बैठकें आयोजित करने की अनुमति दी जाए। इसके अलावा, यूनिट धारकों की आभासी बैठक की अनुमति देने से यूनिट धारकों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित होगी और उनकी सुविधानुसार सहयोगी व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करेगा। इसलिए सेबी ने आरईआईटी के प्रबंधकों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या अन्य ऑडियो विजुअल माध्यमों से यूनिट धारकों की बैठकें आयोजित करने की अनुमति देने का निर्णय लिया है।

**Facility of conducting meetings of unit holders of REITs through Video Conferencing or Other Audio-Visual means**

SEBI (Real Estate Investment Trusts) Regulations, 2014 mandates that an annual meeting of all unit holders shall be held not less than once a year with in one hundred twenty days from the end of financial year and the time between two meetings shall not exceed fifteen months. Managers of REITs are also required to hold meetings of unitholders also for certain specified matters. Managers of REITs have requested SEBI to allow them to conduct meetings of unit holders through virtual mode. Moreover, allowing virtual meeting of unit holders will ensure maximum participation of unit holders and deliver collaborative in-person experience at their convenience. Hence SEBI has decided to allow Managers of REITs to conduct meetings of unit holders through Video Conferencing or Other Audio Visual means.

*Source: SEBI/HO/DDHS/DDHS\_Div2/P/CIR/2023/13 dated January 12, 2023*

1. **वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या अन्य ऑडियो विजुअल माध्यमों से इनविट्स के यूनिट धारकों की बैठक आयोजित करने की सुविधा**

सेबी (इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स) विनियम, 2014 में कहा गया है कि सभी यूनिट धारकों की वार्षिक बैठक वित्तीय वर्ष के अंत से एक सौ बीस दिनों के भीतर आयोजित की जाएगी और दो बैठकों के बीच का समय पंद्रह महीने से अधिक नहीं होगा। इनविट्स के निवेश प्रबंधकों को भी कुछ विशिष्ट मामलों के लिए यूनिटधारकों की बैठकें आयोजित करने की आवश्यकता होती है। इनविट्स के निवेश प्रबंधकों ने सेबी से अनुरोध किया है कि उन्हें वर्चुअल मोड के माध्यम से यूनिट धारकों की बैठकें आयोजित करने की अनुमति दी जाए। इसके अलावा, यूनिट धारकों की आभासी बैठक की अनुमति देने से यूनिट धारकों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित होगी और उनकी सुविधानुसार सहयोगी व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करेगा। इसलिए सेबी ने इनविट्स के निवेश प्रबंधकों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या अन्य ऑडियो विजुअल माध्यमों से यूनिट धारकों की बैठकें आयोजित करने की अनुमति देने का निर्णय लिया है।

**Facility of conducting meetings of unit holders of InvITs through Video Conferencing or Other Audio Visual means**

SEBI (Infrastructure Investment Trusts) Regulations, 2014 mandates that an annual meeting of all unit holders shall be held not less than once a year within one hundred twenty days from the end of financial year and the time between two meetings shall not exceed fifteen months. Investment Managers of InvITs are also required to hold meetings of unitholders also for certain specified matters. Investment Managers of InvITs have requested SEBI to allow them to conduct meetings of unit holders through virtual mode. Moreover, allowing virtual meeting of unit holders will ensure maximum participation of unit holders and deliver collaborative in-person experience at their convenience. Hence SEBI has decided to allow Investment Managers of InvITs to conduct meetings of unit holders through Video Conferencing or Other Audio Visual means.

*Source: SEBI/HO/DDHS/DDHS\_Div2/P/CIR/2023/14 dated January 12, 2023*

1. **क्रेडिट डिफॉल्ट स्वैप में आनुकल्पिक निवेश (विनिधान) निधि की भागीदारी**

जनवरी 2023 में, सेबी (वैकल्पिक निवेश कोष) विनियम, 2012 ('एआईएफ विनियम') में संशोधन किया गया है और आनुकल्पिक निवेश (विनिधान) निधि को सुरक्षा खरीदारों और विक्रेताओं के रूप में क्रेडिट डिफॉल्ट स्वैप (सीडीएस) में भाग लेने की अनुमति देने के लिए अधिसूचित किया गया है। तदनुसार, सेबी ने सीडीएस खरीदने के लिए श्रेणी I, II और III आनुकल्पिक निवेश (विनिधान) निधिपर लागू शर्तों, सीडीएस बेचने के लिए श्रेणी II और III एआईएफ पर लागू शर्तों और सीडीएस में लेनदेन के लिए लागू अन्य शर्तों को निर्दिष्ट किया है।

**Participation of AIFs in Credit Default Swaps**

In January 2023, SEBI (Alternative Investment Funds) Regulations, 2012 (‘AIF Regulations’), have been amended and notified to allow AIFs to participate in credit default swaps (CDS) as protection buyers and sellers. Accordingly, SEBI has specified the conditions applicable to Category I, II and III AIFs for buying CDS, conditions applicable to Category II and III AIFs for selling CDS and other conditions applicable for transacting in CDS. *Source: SEBI/HO/AFD/PoD/CIR/2023/15 dated January 12, 2023*

**हाल ही में प्रकाशित सामग्री**

**LATEST PUBLICATIONS**

1. सेबी की वार्षिक रिपोर्ट / SEBI Annual Report: 2021-22
2. भारतीय प्रतिभूति बाजार के संबंध में सांख्यिकी पुस्तिका / Handbook of Statistics on Indian Securities Market: 2020

प्रकाशित की गई सामग्री सेबी के वेबसाइट पर इस लिंक पर जाकर देखी / डाउनलोड की जा सकती है / Please visit SEBI website at the following URL to refer/download the publications: <https://www.sebi.gov.in/reports-and-statistics.html>

1. *In case of close ended schemes, at the time of maturity, AMC repurchases the units.* [↑](#footnote-ref-1)
2. USA, UK, Germany, Spain, Japan [↑](#footnote-ref-2)